www.bharatsamvad.in

R.N.I.No- UPHIN/2009/30939

सत्य का स्वर

# भारत संवाद

प्रयागराज, लखनऊ तथा मुम्बई से एक साथ प्रकाशित

ऐप में पढ़े
E-PAPER
भारत संवाद
Scan for E-Paper or Search on Play store Bharat Samvad E-Paper

**मौसम**

अधिकतम तापमान 39.c

30.c न्यूनतम तापमान

**बाजार**

सोना 101.700g

चांदी 106.000 kg

2 भारत विभाजन के जिम्मेदार, एनसीईआरटी के मॉड्यूल पर विवाद

रूसी हमले में यूक्रेन का सबसे बड़ा जहाज डूबा 06

वर्ष :17 | अंक :150 | प्रयागराज , शनिवार ,30 अगस्त, 2025 | पृष्ठ : 06 | मूल्य : 1: 00 रुपए

संक्षिप्त समाचार

## ओवरलोड वाहनों से दुर्घटना होने पर मालिक और चालक दोनों पर मुकदमा

राज्य में ओवरलोड वाहनों खासकर ऑटो जैसे छोटे वाहनों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। अगर ऑटो, बस जैसे किसी वाहन से ओवरलोडिंग की वजह से दुर्घटना होती है, तो वाहन मालिक के अलावा चालक समेत अन्य के खिलाफ बीएनएस ( भारतीय न्याय संहिता ) की धारा 105 समेत अन्य सुसंगत धाराओं में मामला दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी। इस धारा में न्यूनतम 10 वर्ष के कारावास का प्रावधान है। यह जानकारी एडीजी ( ट्रैफिक ) सुधांशु कुमार ने पुलिस मुख्यालय सरदार पटेल भवन के सभागार में शुक्रवार को आयोजित प्रेस वार्ता में दी। एडीजी ने हाल के महीनों में हुई बड़े ऑटो हादसों का जिक्र करते हुए कहा कि 23 फरवरी को मसौढ़ी में हुए ऑटो हादसे में 7 लोगों की मौत हो गई थी। इसी तरह 29 मई को डुमरिया में 4, 31 जुलाई को आदर्श नगर में 3 और 23 अगस्त को दनियावां से आगे शाहजहांपुर के पास ऑटो हादसे में 9 महिलाओं की मौत हो गई थी। ये सभी हादसे ओवरलोडिंग के कारण हुई है। इन मामलों की जांच करके बीएनएस की धारा 105 के तहत मामला दर्ज करके सख्त कार्रवाई की जाएगी। इसके अलावा जहानाबाद में कुछ दिन पहले स्कूल बस में छेद से गिरकर बच्चे की मौत होने का मामला सामने आया है,

## महाकाल मंदिर के पास अवैध दुकानों पर चला बुलडोजर, भारी पुलिस बल भी तैनात

मध्य प्रदेश के उज्जैन विकास प्राधिकरण ने महाकाल मंदिर के पास स्थित एक अवैध निर्माण को ध्वस्त कर दिया। इस दौरान बड़ी संख्या में पुलिस बल और नगर निगम के कर्मचारी भी मौजूद थे। थाना प्रभारी गगन बादल ने कहा कि उज्जैन में थाना मालाकाल क्षेत्र के अंतर्गत बेगमबाग क्षेत्र है, जहां उज्जैन विकास प्राधिकरण द्वारा मकान तोड़े जा रहे हैं। वहां पुलिस बल भी तैनात है। करीब 50 पुलिस अधिकारी वहां तैनात हैं। उज्जैन विकास प्राधिकरण के सीईओ ने कहा कि यह भूखंड उज्जैन विकास प्राधिकरण द्वारा विकसित आवासीय योजना का हिस्सा है। सामने वाली सड़क पर सभी पट्टे शुरू में आवासीय उपयोग के लिए थे, लेकिन इसके बजाय, लोगों ने उनका उपयोग व्यावसायिक उद्देश्यों के लिए किया, जो नियमों के विरुद्ध है। लगभग एक साल पहले, उज्जैन विकास प्राधिकरण ने पट्टे समाप्त कर दिए, जिसके बाद संरचनाएं अवैध निर्माण बन गईं। बाद में, कानूनी आदेश जारी किए गए। आज, मकान नंबर 19, जो दो खंडों में व्यावसायिक गतिविधियों के लिए उपयोग किया जाता था, को ध्वस्त किया जा रहा है।

# राहुल की यात्रा में पीएम को गाली, बीजेपी-कांग्रेस कार्यकर्ता भिड़े

## पटना में चले लाठी-डंडे, मुजफ्फरपुर-आरा में भी झड़प; गाली देने वाला आरोपी गिरफ्तार

**मतदाता अधिकार यात्रा**

पटना स्थित कांग्रेस कार्यालय के सामने भाजपा द्वारा कांग्रेस के खिलाफ विरोध प्रदर्शन के दौरान मौके पर पथराव किया गया। बिहार के मंत्री और भाजपा नेता नितिन नवीन ने कहा कि जनता कांग्रेस को करारा जवाब देगी।

एजेंसी

बिहार । चुनावी राज्य बिहार में राहुल गांधी की मतदाता अधिकार यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी मां के खिलाफ की गई अभद्र टिप्पणी को लेकर पटना में भाजपा और कांग्रेस कार्यकर्ताओं के बीच हुई झड़प के बाद, कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि सत्य और अहिंसा की जीत होती है। लोकसभा में विपक्ष के नेता ने एक्स को लेते हुए हिंदी में लिखा कि सत्य और अहिंसा के आगे। असत्य और हिंसा टिक ही नहीं सकते। उन्होंने कहा कि मारो और तोड़ो, जितना मारना-तोड़ना है - हम सत्य और संविधान की रक्षा करते रहेंगे। सत्यमेव जयते। चुनावी राज्य बिहार में राहुल गांधी की मतदाता अधिकार यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ की गई अभद्र टिप्पणियों के विरोध में केंद्र में सत्तारूढ़ पार्टी के कार्यकर्ताओं द्वारा कांग्रेस कार्यालय पर धावा बोलने के बाद पटना में झड़प हो गई। एक वीडियो में दोनों दलों के बड़ी संख्या में कार्यकर्ता अपनी-अपनी पार्टी के झंडों से एक-दूसरे पर हमला करते दिख रहे हैं। पटना स्थित कांग्रेस कार्यालय के सामने भाजपा द्वारा कांग्रेस के खिलाफ विरोध प्रदर्शन के दौरान मौके पर पथराव किया गया। बिहार के मंत्री और भाजपा नेता नितिन नवीन ने कहा कि जनता कांग्रेस को करारा जवाब देगी।

नवीन ने एएनआई से कहा कि बिहार का हर बेटा एक माँ के अपमान के लिए कांग्रेस को करारा जवाब देगा। हम इसका बदला लेंगे।

### 'मारो और तोड़ो, जितना मारना-तोड़ना है...', पटना में भाजपा और कांग्रेस कार्यकर्ताओं के बीच झड़प पर बोले राहुल गांधी

लोकसभा में विपक्ष के नेता ने एक्स को लेते हुए हिंदी में लिखा कि सत्य और अहिंसा के आगे। असत्य और हिंसा टिक ही नहीं सकते। उन्होंने कहा कि मारो और तोड़ो, जितना मारना-तोड़ना है - हम सत्य और संविधान की रक्षा करते रहेंगे। सत्यमेव जयते।

### अमित शाह बोले- कांग्रेस ने सबसे घृणित काम किया है

इस मामले में केंद्रीय गृहमंत्री का बयान आया है। उन्होंने कहा- "राहुल गांधी की यात्रा में पीएम मोदी की माताजी के लिए अपशब्द बोलकर कांग्रेस ने सबसे घृणित काम किया है।" "जिस प्रकार की राजनीति राहुल गांधी ने शुरू की है, वो हमारे सार्वजनिक जीवन को ऊंचाई नहीं देगी। ये आज से नहीं है, नरेंद्र मोदी जब से पीएम बने तब से सोनिया-राहुल गांधी, मणिशंकर अय्यर ने प्रधानमंत्री को गालियां दी हैं।"

# भारत में पूंजी केवल बढ़ती नहीं, बल्कि कई गुना बढ़ती है, जापान से पीएम मोदी का मैसेज

## भारत और जापान ग्लोबल साउथ खासकर अफ्रीका के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं।

मोदी ने कहा, भारत आज दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था है और बहुत जल्द यह तीसरी सबसे बड़ी वैश्विक अर्थव्यवस्था बन जाएगा। पीएम मोदी ने कहा कि भारत ने कृत्रिम मेधा (एआई), सेमीकंडक्टर, क्वांटम कंप्यूटिंग, जैव प्रौद्योगिकी और अंतरिक्ष सहित कई प्रमुख क्षेत्रों में साहसिक एवं महत्वाकांक्षी पहल की हैं। उन्होंने कहा कि जापान की प्रौद्योगिकी और भारत की प्रतिभा मिलकर इस सदी की प्रौद्योगिक क्रांति का नेतृत्व कर सकती है।

एजेंसी

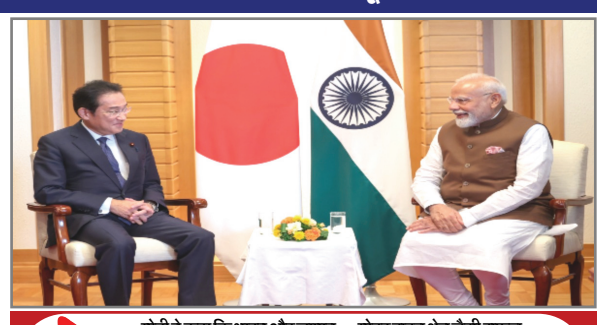

मोदी ने कहा कि भारत और जापान... मोटर वाहन क्षेत्र जैसी सफल साझेदारी अब रोबोटिक्स, सेमीकंडक्टर, जहाज विनिर्माण और परमाणु ऊर्जा के क्षेत्रों में भी बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारत की विकास यात्रा में जापान सदैव एक महत्वपूर्ण साझेदार रहा है। मेट्रो से लेकर विनिर्माण तक, सेमीकंडक्टर से लेकर स्टार्टअप तक हर क्षेत्र में भारत-जापान साझेदारी आपसी विश्वास का प्रतीक बनी है।

टोक्यो। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि भारत और जापान मिलकर स्थिरता, वृद्धि और समृद्धि के लिए एशियाई सदी को आकार देंगे। मोदी ने यहां आयोजित भारत-जापान आर्थिक मंच को संबोधित करते हुए कहा कि जापान की उत्कृष्टता एवं भारत की व्यापकता एक आदर्श साझेदारी और पारस्परिक वृद्धि का निर्माण कर सकती है। प्रधानमंत्री आज सुबह दो दिवसीय यात्रा पर जापान की राजधानी टोक्यो पहुंचे। यह यात्रा ऐसे समय में हो रही है जब राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की व्यापार और शुल्क नीतियों को लेकर अमेरिका के साथ भारत के संबंधों में तनाव है। भारत को एक आकर्षक निवेश गंतव्य के रूप में पेश करते हुए मोदी ने कहा कि देश में राजनीतिक एवं आर्थिक स्थिरता के साथ-साथ नीतिगत निर्णयों में पारदर्शिता के साथ भरोसेमंद होना है। उन्होंने कहा कि भारत में पूंजी केवल बढ़ती ही नहीं, बल्कि कई गुना बढ़ती है। मोदी ने कहा कि भारत ग्लोबल साउथ में जापानी कंपनियों को एक आधार प्रदान करता है। भारत और जापान ग्लोबल साउथ खासकर अफ्रीका के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं। ग्लोबल साउथ शब्द का इस्तेमाल आम तौर पर आर्थिक रूप से कम विकसित और विकासशील देशों के लिए किया जाता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत की राजनीतिक और आर्थिक स्थिरता के साथ ही नीतियों में पारदर्शिता ने इसे विशेष रूप से हरित ऊर्जा, विनिर्माण और प्रौद्योगिकी के क्षेत्रों में एक आकर्षक निवेश स्थल बना दिया है।

# सपा-कांग्रेस के शासन काल में हिंदुओं को चुन-चुन कर बनाया गया निशाना

## संभल रिपोर्ट पर बोले सीएम योगी अब हर साजिश का जवाब देंगे

एजेंसी

प्रतापगढ़। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को संभल में हुई हालिया हिंसा पर टिप्पणी करते हुए कहा कि न्यायिक आयोग की एक दिन पहले सौंपी गई रिपोर्ट दंगों की साजिश की पुष्टि करती है। प्रतापगढ़ में विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करने के बाद यहां आयोजित एक समारोह को संबोधित करते हुए योगी आदित्यनाथ ने रिपोर्ट के निष्कर्षों का जिक्र किया। मुख्यमंत्री ने कहा, न्यायिक आयोग ने कल संभल घटना पर अपनी रिपोर्ट सौंपी, जिसमें 2024 में दंगों की साजिश के कुछ हिस्सों का खुलासा किया गया है। योगी आदित्यनाथ ने दावा किया कि समाजवादी पार्टी और कांग्रेस के समय में हिंदुओं को चुन-चुन कर निशाना बनाया गया ।

उन्होंने कहा कि लेकिन आज, डबल इंजन वाली सरकार है जो जनसांख्यिकी को बदलने नहीं देगी। बृहस्पतिवार को मुख्यमंत्री कार्यालय को सौंपी गई रिपोर्ट में उत्तर प्रदेश पुलिस को नरसंहार रोकने का श्रेय दिया गया है और इसमें यह भी उल्लेख किया गया है कि जिले में बाहर से दंगाइयों को लाया गया था।

## स्मार्ट सिटी के रूप विकसित होगा प्रतापगढ़

सीएम ने कहा- आज मैं एक बार फिर प्रतापगढ़ की धरती पर आया हूं। यह वह भूमि है जहां के किसानों ने अपने पसीने से आंवला जैसे औषधीय अमृत फल को दुनिया के सामने प्रस्तुत किया और जिले को एक नई पहचान दिलाई। मैं उन सभी अन्नदाताओं को नमन करने आया हूं। साथ ही उन वीर स्वतंत्रता सेनानियों का अभिनंदन करने आया हूं, जिन्होंने देश की आजादी के लिए अपना अमूल्य योगदान दिया। मां बेल्ही देवी की कृपा है। इस प्रतापगढ़ के लिए लोग कहते थे कि इस जिले का विकास नहीं हो सकता। आज यहां का आंवला वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट में शामिल होकर देश और दुनिया में जाना जा रहा है। नगर पालिका परिषद प्रतापगढ़ को स्मार्ट सिटी की तर्ज पर विकसित करने का निर्णय लिया गया है।

# हिमाचल के चंबा में लैंडस्लाइड, 11 मौतें

## उत्तराखंड में बादल फटने से 5 की जान गई; पंजाब- फिरोजपुर में 62 गांव डूबे, 2500 का रेस्क्यू

एजेंसी

नई दिल्ली , हिमाचल प्रदेश के चंबा जिले के भरमौर में भारी बारिश के बीच मणिमहेश यात्रा पर निकले 11 श्रद्धालुओं की लैंडस्लाइड में मौत हो गई है। मृतकों में 3 पंजाब, 1 उत्तर प्रदेश और 5 चंबा के रहने वाले हैं। दो लोगों की अभी पहचान नहीं हुई है। दूसरी तरफ, उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग, चमोली, बागेश्वर और टिहरी गढ़वाल जिले में गुरुवार रात बादल फटने से 5 लोगों की मौत हो गई। एसडीआरएफ ने रूद्रप्रयाग में 40 और कुम्म गांव में 30 लोगों का रेस्क्यू किया।पंजाब के फिरोजपुर में बारिश के चलते 62 गांव प्रभावित हुए। प्रशासन ने 2500 से ज्यादा लोगों को अब तक सुरक्षित जगह पहुंचाया है। 13 रिलीफ कैंप बनाए गए हैं। उत्तर में हिमाचल से लेकर दक्षिण में केरल तक, बारिश के कारण नदियों और बांधों का जलस्तर बढ़ गया और रिहायशी इलाकों एवं कृषि क्षेत्रों में पानी भर गया है. हालांकि, कश्मीर में दो दिनों के बाद बारिश में कमी आने से बाढ़ का खतरा कम हो गया है, जिससे राहत मिली है. वहीं तेलंगाना में वर्षाजनित घटनाओं के कारण कम से कम पांच लोगों की मौत हो गई. देश के दूसरे हिस्सों का भी बारिश और बाढ से बुरा हाल है

राज्य सरकारों ने प्रभावित इलाकों में हाई अलर्ट जारी कर दिया है। संवेदनशील क्षेत्रों में स्कूल-कॉलेज बंद कर दिए गए हैं और लोगों से सुरक्षित स्थानों पर रहने की अपील की गई है। मौसम विभाग ने अगले 48 घंटों में और तेज बारिश का अनुमान

## राजनीति तोड़ती है; धर्म जोड़ता है: शिवराज सिंह चौहान

एजेंसी

किसानों की चर्चा करते हुए चौहान ने कहा, हमारी कोशिश है कि खेती में उपज बढ़े व लागत घटे, उपज के ठीक दाम मिले। अगर नुकसान हो जाए तो उसकी भरपाई हो, लेकिन कृषि का विविधीकरण भी बहुत जरूरी है। पीड़ित मानव मात्र की सेवा को ही भगवान की पूजा बताते हुए केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शुक्रवार को यहां कहा कि राजनीति तोड़ती है, लेकिन धर्म जोड़ता है और आज धर्म ने सभी को पीड़ित मानवता की सेवा के लिए जोड़ दिया हैं।

# 'सिर काटकर टेबल पर रख देना चाहिए'

## अमित शाह को लेकर ये क्या बोल गईं टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा

मोइत्रा ने कहा कि अगर भारत की सीमाओं की रक्षा नहीं की जा सकती, अगर घुसपैठिए सैकड़ों की संख्या में घुस रहे हैं, हमारी महिलाओं का अपमान कर रहे हैं, हमारी जमीनों पर कब्जा कर रहे हैं, तो आपका फर्ज है कि अमित शाह का सिर काटकर मेज पर रख दें।

एजेंसी

तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सांसद महुआ मोइत्रा ने गुरुवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी करके एक बड़ा राजनीतिक विवाद खड़ा कर दिया। भारतीय क्षेत्र में अवैध बांग्लादेशी प्रवासियों की घुसपैठ के बारे में पत्रकारों से बात करते हुए, कृष्णानगर लोकसभा सांसद ने कहा कि अमित शाह का सिर काट दिया जाना चाहिए और उनके कटे हुए सिर को प्रदर्शन के लिए मेज पर रख दिया जाना चाहिए। मोइत्रा ने कहा कि अगर भारत की सीमाओं की रक्षा नहीं की जा सकती, अगर घुसपैठिए सैकड़ों की संख्या में घुस रहे हैं, हमारी महिलाओं का अपमान कर रहे हैं, हमारी जमीनों पर कब्जा कर रहे हैं, तो आपका फर्ज.है कि अमित शाह का सिर काटकर मेज पर रख दें। उन्होंने घुसपैठ को लेकर केंद्र से जवाबदेही की माँग करते हुए दावा किया कि प्रधानमंत्री ने खुद स्वीकार किया है कि घुसपैठिए घुस रहे हैं और महिलाओं की गरिमा का अपमान कर रहे हैं। उन्होंने पूछा, ₹यह किसकी गलती है? क्या यह हमारी गलती है, या आपकी गलती है?

# महाकाल मंदिर के पास अवैध दुकानों पर चला बुलडोजर, भारी पुलिस बल भी तैनात

उज्जैन विकास प्राधिकरण के सीईओ ने कहा कि यह भूखंड उज्जैन विकास प्राधिकरण द्वारा विकसित आवासीय योजना का हिस्सा है। सामने वाली सड़क पर सभी पट्टे शुरू में आवासीय उपयोग के लिए थे, लेकिन इसके बजाय, लोगों ने उनका उपयोग व्यावसायिक उद्देश्यों के लिए किया, जो नियमों के विरुद्ध है।

एजेंसी

मध्य प्रदेश के उज्जैन विकास प्राधिकरण ने महाकाल मंदिर के पास स्थित एक अवैध निर्माण को ध्वस्त कर दिया। इस दौरान बड़ी संख्या में पुलिस बल और नगर निगम के कर्मचारी भी मौजूद थे। थाना प्रभारी गगन बादल ने कहा कि उज्जैन में थाना मालाकाल क्षेत्र के अंतर्गत बेगमबाग क्षेत्र है, जहां उज्जैन विकास प्राधिकरण द्वारा मकान तोड़े जा रहे हैं। वहां पुलिस बल भी तैनात है। करीब 50 पुलिस अधिकारी वहां तैनात हैं। उज्जैन विकास प्राधिकरण के सीईओ ने कहा कि यह भूखंड उज्जैन विकास प्राधिकरण द्वारा विकसित आवासीय योजना का हिस्सा है।

**विवाद** बोले तमिलनाडु में नहीं होने देंगे ऐसी स्थिति

# बिहार में मतदाता सूची पुनरीक्षण विवाद पर स्टालिन का कड़ा रुख

एजेंसी

नयी दिल्ली। चुनावी राज्य बिहार में मतदाता सूची के चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान का कड़ा विरोध करते हुए, तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने शुक्रवार को कहा कि उनके राज्य में इस तरह की प्रक्रिया नहीं होनी चाहिए। स्टालिन ने एक कार्यक्रम में कहा कि बिहार में एसआईआर जैसी स्थिति तमिलनाडु में नहीं होनी चाहिए। लोगों को बिहार की स्थिति के बारे में जागरूक किया जाना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि कल, मैं अगले सप्ताह के लिए जर्मनी और इंग्लैंड जा रहा हूँ। तमिलनाडु ने हमारी द्रविड़ मॉडल सरकार की नीतियों के माध्यम से 10 लाख करोड़ रुपये का निवेश आकर्षित किया है। विपक्षी इंडिया ब्लॉक दलों ने बिहार में एसआईआर का विरोध करते हुए तर्क दिया है कि इस प्रक्रिया से समाज का एक बड़ा वर्ग मताधिकार से वंचित हो जाएगा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बिहार में 'वोट अधिकार यात्रा' शुरू की है। उन्होंने एसआईआर का विरोध किया है और चुनाव आयोग की मिलीभगत से भाजपा पर 'वोट चोरी' का आरोप लगाया है। इस हफ़्ते की शुरूआत में, स्टालिन इस यात्रा में राहुल गांधी, राष्ट्रीय जनता दल के नेता तेजस्वी यादव और भाकपा-माले नेता दीपांकर भट्टाचार्य के साथ बिहार के मुजफ़्फरपुर पहुंचे थे। स्टालिन ने भाजपा पर भारत के चुनाव आयोग (ईसीआई) को कठपुतली बनाने का आरोप लगाया है। मुजफ़्फरपुर में भीड़ को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा था, अगर चुनाव निष्पक्ष तरीके से कराए गए, तो एनडीए हार जाएगा। उन्होंने (केंद्र ने) चुनाव आयोग को कठपुतली बना दिया है जिसे रिमोट कंट्रोल से चलाया जा रहा है। बिहार के लोगों का नाम मतदाता सूची से हटाना सही नहीं है। उन्होंने कहा कि मैं तमिलनाडु से अपने भाइयों का समर्थन करने आया हूँ। राहुल गांधी ने चुनाव आयोग की 'वोट चोरी' का पर्दाफाश कर दिया है। उन्होंने कहा कि मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार का कहना है कि राहुल गांधी को हलफनामा देना चाहिए या माफी मांगनी चाहिए। क्या राहुल गांधी इन सब से कभी डरेंगे?... आज भाजपा उन पर हमला कर रही है क्योंकि इससे पता चल गया है कि भाजपा ने चुनावों को कैसे मजाक बना दिया है। इस बीच, 'मतदाता अधिकार यात्रा' अपने अंतिम चरण में पहुँच गई है। कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, राजद नेता तेजस्वी यादव और विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) प्रमुख मुकेश सहनी ने शुक्रवार को बेतिया में इस अभियान में हिस्सा लिया।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का विरोध करते हुए कहा कि ऐसी प्रक्रिया उनके राज्य में नहीं होनी चाहिए। विपक्षी दल भाजपा पर चुनाव आयोग को कठपुतली बनाकर 'वोट चोरी' का आरोप लगा रहे हैं, जिससे मतदाताओं का एक बड़ा वर्ग मताधिकार से वंचित हो सकता है। स्टालिन ने राहुल गांधी की 'वोट अधिकार यात्रा' में भाग लेकर चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर सवाल उठाए।

# कांग्रेस का कोई लेना-देना नहीं, गालीकांड पर बोले सचिन पायलट

कांग्रेस नेता ने कहा कि सभ्य और सौम्य राजनीति में ऐसे शब्दों के लिए कोई जगह नहीं है। हमारी पार्टी महात्मा गांधी की पार्टी है, और हमने आज तक ऐसे किसी भी बयान का समर्थन नहीं किया है और न ही भविष्य में करेंगे।

एजेंसी

नयी दिल्ली। कांग्रेस नेता सचिन पायलट ने शुक्रवार को बिहार के दरभंगा में विपक्ष की 'मतदाता अधिकार यात्रा' कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी दिवंगत मां पर कथित रूप से की गई गालियों की कड़ी निंदा की। पायलट ने आगे कहा कि इस घटना का कांग्रेस पार्टी से कोई लेना-देना नहीं है, क्योंकि उनकी मतदाता अधिकार यात्रा पहले ही आगे बढ़ चुकी है। एएनआई से बात करते हुए, कांग्रेस नेता ने कहा, मैं इसकी निंदा करता हूँ। कांग्रेस पार्टी का इससे कोई लेना-देना नहीं है, हमारी यात्रा पहले ही आगे बढ़ चुकी है। कांग्रेस नेता ने कहा कि सभ्य और सौम्य राजनीति में ऐसे शब्दों के लिए कोई जगह नहीं है। हमारी पार्टी महात्मा गांधी की पार्टी है, और हमने आज तक ऐसे किसी भी बयान का समर्थन नहीं किया है और न ही भविष्य में करेंगे। कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह ने कहा कि इस बात की जाँच होनी चाहिए कि यह बयान किसने दिया या यह किसका बयान है। कांग्रेस का कोई भी व्यक्ति नहीं चाहेगा कि प्रधानमंत्री या उनके परिवार के खिलाफ अपमानजनक शब्द बोले जाएँ। यह कांग्रेस की संस्कृति नहीं है... कार्रवाई करें। हालाँकि, इस घटना ने राजनीतिक विवाद को जन्म दे दिया है और भाजपा तथा एनडीए नेताओं ने कांग्रेस और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) पर निशाना साधा है।

## सम्पादकीय

### भारत की तैयारी, ट्रंप के टैरिफ का क्या है तोड़?

यह उचित ही है कि सरकार ने 50 प्रतिशत अमेरिकी टैरिफ लागू हो जाने के बाद भारतीय वस्त्रों के लिए अनेक ऐसे देशों की पहचान की है जिन्हें निर्यात बढ़ाया जा सकता है। यह भी समय की मांग है कि भारत अमेरिका के खिलाफ चीन से रिश्ते सामान्य करने के साथ ब्रिक्स का इस्तेमाल करे। ऐसा करते हुए भारत को चीन से सावधान भी रहना होगा।भारत के खिलाफ मोर्चा खोले अमेरिकी राष्ट्रपति के आर्थिक सलाहकार पीटर नवारो ने जिस तरह यह बेतुका आरोप उछाला कि यूक्रेन संघर्ष मोदी का युद्ध है, उससे भारतीय प्रधानमंत्री की वह आशंका ही रेखांकित होती है, जिसमें उन्होंने किसानों, मछुआरों आदि के हितों की रक्षा के लिए अडिग रहने की बात कहते हुए कहा था कि इनके हित के लिए उन्हें व्यक्तिगत रूप से कीमत चुकानी पड़ेगी और वे इसके लिए तैयार हैं। क्या उनका आशय राजनीतिक नुकसान से था? क्या इसका अंदेशा है कि ट्रंप प्रशासन मोदी को राजनीतिक रूप से कमजोर करने की कोशिश कर सकता है? पता नहीं ट्रंप के मन में क्या है, पर यह किसी से छिपा नहीं कि अमेरिका किस तरह दूसरे देशों में राजनीतिक हस्तक्षेप करता रहा है। ट्रंप इस कारण भारत से चिढ़ गए लगते हैं कि आपरेशन सिंदूर पर भारतीय प्रधानमंत्री ने उनके अहं को तुष्ट नहीं किया। यह भी हो सकता है कि आपरेशन सिंदूर के बाद उनके भारत विरोधी तेवरों से मोदी ने भी उनसे दूरी बनाना उचित समझा हो। जो भी हो, पीटर नवारो वही हैं, जिन्हें ट्रंप की टैरिफ नीति का जनक माना जाता है। पीटर नवारो भारत के खिलाफ पहले भी बेजा बयान दे चुके हैं। उनका यह कथन उनकी भारत विरोधी मानसिकता का ही परिचायक है कि भारत के उच्च टैरिफ के कारण हमारी नौकरियां, कारखाने, आय और उच्च वेतन खत्म हो रहे हैं। उनका यह कहना तो नितांत हास्यास्पद है कि यूक्रेन के खिलाफ रूस के युद्ध के लिए भारत जिम्मेदार है। वास्तव में इसके लिए यूरोप और खुद अमेरिका जिम्मेदार है। इन देशों ने यूक्रेन को रूस के खिलाफ खड़ा करने की हरसंभव कोशिश के तहत जब उसे नाटो का सदस्य बनाने की कोशिश की, तब रूस ने आक्रामक रवैया अपनाया और अंततः उस पर हमला कर दिया। तथ्य यह भी है कि यूक्रेन को रूस से लड़ते रहने के लिए हथियार और आर्थिक सहायता यूरोप एवं अमेरिका ही उपलब्ध करा रहे हैं। इन स्थितियों में मोदी सरकार को ट्रंप प्रशासन से और सतर्क रहना होगा। इस सतर्कता के साथ ही उसे ट्रंप टैरिफ की चुनौती का सामना करने के लिए युद्धस्तर पर प्रयत्न करने होंगे। इसलिए करने होंगे, क्योंकि कई क्षेत्रों के निर्यातकों को नुकसान होने और कुछ नौकरियां जाने की आशंका निराधार नहीं। निर्यातकों और कामगारों को राहत देने के लिए सरकार को ठोस उपाय करने होंगे। यह उचित ही है कि सरकार ने 50 प्रतिशत अमेरिकी टैरिफ लागू हो जाने के बाद भारतीय वस्त्रों के लिए अनेक ऐसे देशों की पहचान की है, जिन्हें निर्यात बढ़ाया जा सकता है। यह भी समय की मांग है कि भारत अमेरिका के खिलाफ चीन से रिश्ते सामान्य करने के साथ ब्रिक्स का इस्तेमाल करे।

## आज का विचार

## राशिफल

**मेष राशि :** व्यापार के मामले में कुछ नए बदलाव देखने को मिल सकते हैं। इसी के चलते आपको भविष्य में अच्छा मुनाफा मिलने की संभावना है। आप धार्मिक और सामाजिक कार्यों में रुचि दिखा सकते हैं। वहीं, नौकरी करने वालों के लिए दिन अनुकूल रहेगा और आप अधिक प्रयासों और मेहनत से अच्छा लाभ कमा सकते हैं।

**वृषभ राशि :** आपको जीवन में कुछ बाधाओं का सामना करना पड़ सकता है और सांसारिक सुख के साधनों में भी कमी आ सकती है। इसी के चलते मन परेशान रहेगा। लेकिन धीरे-धीरे स्थिति बेहतर होती जाएगी और कार्यक्षेत्र में धैर्य रखने से आपको कुछ सहकर्मियों का सहयोग मिल सकता है।

**मिथुन राशि:** कार्यक्षेत्र में आप अपने कार्यों को पूरा करने की मेहनत में लगे रहेंगे और जरूरी रुके हुए काम भी अब पूरे हो सकते हैं। इसी के चलते मन प्रसन्न रहेगा और नए-नए कार्यों में आप हाथ आजमा सकते हैं। लेकिन जल्दबाजी में कोई भी फैसला लेने से बचें, अन्यथा नुकसान हो सकता है। धैर्य रखने से स्थिति सामान्य बनी रहेगी।

**कर्क राशि:** आप कामकाज के सिलसिले में ज्यादा व्यस्त रहेंगे और एक साथ कई कामों को संभाल सकते हैं। कार्यक्षेत्र में उन्नति मिल सकती है, जिससे संतुष्टि महसूस होगी। वहीं, आपके भौतिक सुख-सुविधाओं में वृद्धि होने से खुश रहेंगे। व्यापार में बुद्धि और विवेक के साथ कार्य करने से लाभ होगा और नए-नए कामों की तलाश कर सकते हैं।

**सिंह राशि :** आपको कोई बहुमूल्य वस्तु प्राप्त हो सकती है। आप अपने सुख के साधन बढ़ाने के लिए कुछ धन भी खर्च कर सकते हैं। वहीं, कार्यक्षेत्र में अपने बातचीत करने के प्रभावी तरीके और कार्यकुशलता के चलते लाभ कमाएंगे।

**कन्या राशि :** काम धंधे के मामले में दिन उत्तम रहने वाला है और समाज में भी आपके मान-सम्मान में वृद्धि होगी। कार्यक्षेत्र में आपका प्रभाव अधिक रहेगा और किसी महत्वपूर्ण चर्चा या मीटिंग के द्वारा आपकी राय को भी गंभीरता से लिया जाएगा।

**तुला राशि:** आपको कार्यक्षेत्र में काम अधिक होने के कारण ज्यादा मेहनत करनी पड़ सकती है। इसी के चलते स्वास्थ्य भी सामान्य से कम अच्छा रहेगा। लेकिन समाज और परिवार की ओर से आपको अपेक्षित सहयोग मिलने की संभावना है।

वृश्चिक राशि करियर राशिफल : हो सकते हैं अनावश्यक खर्च

**वृश्चिक राशि:** कारोबार के मामले में दिन मिलाजुला रहने वाला है। आर्थिक मामलों में कुछ अनावश्यक खर्चे आपके सामने आ सकते हैं, जिसके चलते तनाव बढ़ने की संभावना है। दशम भाव में मंगल होने से आपको पेट से जुड़ी कुछ समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है।

**धनु राशि :** आपका दिन का कुछ भाग सामाजिक कार्यों में व्यतीत हो सकता है। कारोबार के मामले में आपको अपने मन की बात हर किसी से साझा करने से बचना होगा। इससे कहीं रुके हुए धन की आपको प्राप्ति हो सकती है। लेकिन स्वास्थ्य पर ध्यान देने की जरूरत है

**मकर राशि :** कार्यक्षेत्र में अपनी निर्णय लेने की क्षमता से आपको लाभ प्राप्त हो सकता है। इसी के चलते सफलता के मार्ग पर आगे बढ़ते जाएंगे। अगर समाज से जुड़े किसी मामले या वाद-विवाद में लंबे समय से फंसे हुए थे तो अब आपको सफलता प्राप्त हो सकती है।

**कुंभ राशि :** आपको बड़े-बुजुर्गों के आशीर्वाद से अपने कार्यों में सफलता हासिल हो सकती है। वहीं, करियर के क्षेत्र में भविष्य के लिए कुछ लाभदायक नई संभावनाएं सामने आ सकती हैं।

**मीन राशि:** कार्यक्षेत्र में किसी काम या बात को लेकर आप परेशान रह सकते हैं, जिसके चलते मानसिक तनाव बढ़ने की भी संभावना है। नौकरी करने वालों का अगर प्रमोशन बीच में अटका हुआ था

**ज्योतिष सेवा केन्द्र**
**ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री**

# भारत विभाजन के जिम्मेदार, एनसीईआरटी के मॉड्यूल पर विवाद

**कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक (14-15 जून 1947) में लोहिया मौजूद थे जिसने विभाजन स्वीकार किया। इसीलिए वावेल ने अपनी डायरी में लिखा कांग्रेस में कोई स्टेट्समैनशिप या उदारता नहीं है। इस तरह जिस काम के लिए ब्रिटिश सरकार ने 16 माह का समय निश्चित किया था उसे माउंटबेटन ने पांच महीने से भी कम में निपटा दिया।**

पाहाल में एनसीईआरटी के उस माड्यूल पर विवाद खड़ा हो गया, जिसमें भारत विभाजन के लिए जिन्ना और अंग्रेजों के साथ कांग्रेस को जिम्मेदार बताया गया। न तो पहली बार ऐसा कहा गया और न ही उस पर विवाद नया है। वास्तव में भारत विभाजन एक ऐसा बहुआयामी विषय है, जिसके विभिन्न पहलुओं को आज तक जब-तब कुरेदा जाता है। भारत विभाजन का कारण जिस एक व्यक्ति को समझा जाता है, वे थे मोहम्मद अली जिन्ना। यह अजीब विरोधाभास था कि नितांत इस्लाम विरोधी जीवनशैली वाले व्यक्ति ने इस मजहब के नाम पर अलग देश के निर्माण का लक्ष्य हासिल कर लिया। जिन्ना अपनी जिद पर अड़ने और समझौते न करने वाले नेता थे, किंतु पाकिस्तान निर्माण के लिए इतना ही पर्याप्त नहीं था। यदि अलगाववादी मानसिकता के साथ वृहद मुस्लिम समाज उनके पीछे लामबंद न हुआ होता तो पाकिस्तान कभी नहीं बन पाता। जिन्ना मुसलमानों के नेता बन ही तभी सके, जब उन्होंने मजहबी अंदाज अपनाया। पाकिस्तान के ही लेखक अजीज अहमद ने इसे ऐसे समझाया है, ह्यजिन्ना ने मुस्लिम जनता का नहीं, बल्कि मुस्लिम सहमति ने जिन्ना का नेतृत्व किया। उनकी भूमिका एक साफ दिमाग वकील की थी, जो अपने मुवक्विल की इच्छा को बिलकुल सटीक शब्दों में रख सकता था।ह्न इसे भी अनदेखा नहीं किया जा सकता कि यदि कांग्रेस नेताओं में इस्लाम की सही जानकारी और अन्य राजनीतिक गुण रहे होते तो परिणाम भिन्न हो सकते थे। भारत एक रहता तो क्या होता, इस पर भी अंतहीन बहस हो सकती है। हालांकि 1946-47 के बीच का घटनाक्रम बताता है कि विभाजन को रोकना संभव था। ब्रिटिश सरकार फरवरी 1947 में ब्रिटिश संसद में घोषणा कर चुकी थी कि वह जून 1948 तक भारत को सत्ता सौंप देगी। भारत का विभाजन ब्रिटिश योजना नहीं थी। न ही भारत में कार्यरत ब्रिटिश अधिकारी ऐसा चाहते थे। तमाम प्रमाण दिखाते हैं कि ब्रिटिश सरकार ने कई कोशिशें कीं कि उनका बनाया ह्यसुंदर साम्राज्यह्न बना रहे। व्यक्तित्वों का टकराव भी विभाजन की एक बड़ी वजह बना। जिन्ना और कांग्रेस नेताओं में एक-दूसरे के प्रति भारी दुराग्रह था। नेहरू जिन्ना को ह्यमामूली वकीलह्न और अल्पशिक्षित मानते थे, जबकि जिन्ना नेहरू को ह्यघमंडी ब्राह्मणह्न समझते थे। जिन्ना में जिद, अड़ियलपन, बेरुखी और तुरंत चिढ़ जाने जैसे कई दोष थे, लेकिन आत्मबल और दृढ़ता जैसे गुण भी थे। जिन्ना में हल्कापन या कोरी हवाबाजी जैसी बात न थी। यह नेहरू के आकलन की गलती थी कि जिन्ना पाकिस्तान को लेकर गंभीर नहीं और केवल अपना महत्व बढ़ाने को हवा बांध रहे हैं। इसी गलतफहमी में नेहरू ने जिन्ना और मुस्लिम लीग की उपेक्षा की और कैबिनेट मिशन योजना स्वीकार करने के बाद 10 जुलाई 1946 को मुकर गए। इसके बुरे परिणाम हुए। नेहरू के कैबिनेट मिशन संबंधी बयान के तुरंत बाद जिन्ना ने 27 जुलाई, 1946 को इस योजना को दिया समर्थन वापस ले लिया। इसके साथ ही पाकिस्तान की मांग को लेकर 16 अगस्त 1946 को ह्यडायरेक्ट एक्शनह्न दिवस का आह्वान किया। तब बंगाल का प्रांतीय शासन मुसलमानों के हाथ में था और शाहिद सुहरावर्दी के पास कमान, जिसने खुल कर मुसलमानों को हिंसा के लिए भड़काया। डायरेक्ट एक्शन के दौरान भीषण रक्तपात में कोलकाता (कलकत्ता) में करीब 3,000 लाशें बिछ गईं। हजारों घायल हुए। कलकत्ता में भीषण नरसंहार के बाद केवल लार्ड वावेल वहां गए। गांधी, नेहरू और जिन्ना में से कोई नहीं गया, जिनकी अदूरदर्शिता से इतना बड़ा संहार हुआ। इसके बाद भी वावेल अविभाजित भारत बनाए रखने की कोशिश में लगे रहे। उस पर टिके रहने के लिए उन्हें अपमानित होकर पद से हटना पड़ा, क्योंकि कांग्रेस और मुस्लिम लीग की सहमति बनने के लिए ब्रिटिश सरकार बहुत इंतजार नहीं करना चाहती थी। उसने फरवरी 1947 में लार्ड माउंटबेटन को वायसराय बनाने और जून 1948 तक भारत को सत्ता हस्तांतरण करने की घोषणा कर दी। माउंटबेटन 22 मार्च 1947 को भारत पहुंचे। उन्होंने सबको अपने व्यक्तित्व से प्रभावित कर लिया। यदि माउंटबेटन के आकर्षण से कोई बिल्कुल निर्विकार रहा, तो वे थे जिन्ना। अपने लक्ष्य के प्रति कटिबद्ध जिन्ना प्रत्येक व्यक्ति, घटना, बयान आदि को पूरे ध्यान से देखने के आदी थे। जिन्ना अपने प्रतिद्वंद्वी या दुश्मन को अपनी भावनाओं की भनक नहीं लगने देते थे, ताकि वह उसका लाभ न उठा सके। इसीलिए किसी की प्रशंसा या शिष्टाचार का जिन्ना पर कोई असर नहीं होता था। माउंटबेटन का भी नहीं हुआ। अपनी पहली मुलाकात में गांधीजी ने माउंटबेटन को प्रस्ताव दिया कि वे जिन्ना को ही अंतरिम सरकार का प्रमुख नियुक्त कर दें और यह जिन्ना पर छोड़ दें कि किसे वे अपने मंत्रिमंडल में लेते या नहीं लेते हैं, ताकि आपसी झंझट खत्म हो और सत्ता हस्तांतरण का रास्ता साफ हो पहले माउंटबेटन ने इस प्रस्ताव पर विचार का आश्वासन दिया, किंतु अन्य कांग्रेस नेताओं का रुख देखकर इसे अव्यावहारिक मानकर छोड़ दिया। उन्होंने पाया कि नेहरू-पटेल विभाजन को लेकर मन बना चुके हैं। अंततः माउंटबेटन ने 3 जून 1947 को विभाजन प्रस्ताव की रूपरेखा दी, जिसे दोनों पक्षों ने स्वीकार कर लिया। नेहरू-पटेल द्वारा विभाजन की बात स्वीकार कर लेने के बाद गांधीजी ने भी विरोध छोड़ दिया। राममनोहर लोहिया के अनुसार सत्ता की अधीरता में नेहरू और पटेल ने गांधीजी को बिना बताए, विभाजन कर लेना पहले ही तय कर लिया था। कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक (14-15 जून 1947) में लोहिया मौजूद थे, जिसने विभाजन स्वीकार किया। इसीलिए वावेल ने अपनी डायरी में लिखा, ह्यकांग्रेस में कोई स्टेट्समैनशिप या उदारता नहीं है।ह्न इस तरह जिस काम के लिए ब्रिटिश सरकार ने 16 माह का समय निश्चित किया था, उसे माउंटबेटन ने पांच महीने से भी कम में निपटा दिया। इसमें उनका आत्मविश्वास और भारतीय नेताओं की अनिश्चितता, थकान और सत्ता पाने की अधीरता का भी हाथ था। इसे भूला न जाए कि यह विभाजन बहुत ही त्रासद साबित हुआ।

## विश्वगुरु बनने की नई इबारत लिखता भागवत का उद्बोधन

**ललित गर्ग**

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना के शताब्दी वर्ष पर दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित वार्षिक व्याख्यानमाला केवल एक उत्सव मात्र नहीं था, बल्कि यह आयोजन भारत की आत्मा और उसके भविष्य की एक गहन घोषणा थी। संघ सरचालक मोहन भागवत ने इन व्याख्यानों में जिस स्पष्टता और गंभीरता से अपने विचार रखे, उन्होंने संघ की विचारधारा के प्रति व्याप्त भ्रांतियों का निवारण करने के साथ-साथ भारत को विश्वगुरु बनाने की दिशा में एक नया क्षितिज भी उद्घाटित किया। यह आयोजन संघ के सौ वर्ष की साधना का मूल्यांकन ही नहीं, बल्कि आने वाले सौ वर्षों की दिशा का भी उद्घोष था। नई इबारत लिखते हुए भागवत ने स्पष्ट कहा कि संघ की कार्यप्रणाली का सार है,नए मनुष्य का निर्माण। यह विचार सुनने में सरल लग सकता है, किंतु इसके निहितार्थ अत्यंत गहरे हैं। समाज और राष्ट्र की सारी समस्याओं का मूल व्यक्ति के भीतर छिपा है। इसीलिये देश के सभी वर्गों को एकसूत्र में जोड़ने के संकल्प के साथ संघ आगे बढ़ेगा क्योंकि जब तक व्यक्ति का चरित्र, दृष्टि और आचरण नहीं बदलते, तब तक कोई भी व्यवस्था स्थायी रूप से परिवर्तित नहीं हो सकती। संघ व्यक्ति-निर्माण के माध्यम से समाज और राष्ट्र को बदलने की दीर्घकालिक साधना कर रहा है। यही कारण है कि संघ के कार्य का परिणाम केवल शाखाओं या कार्यक्रमों में नहीं मापा जा सकता, बल्कि उस अदृश्य लेकिन ठोस नैतिक शक्ति में देखा जा सकता है, जो धीरे-धीरे समाज की दिशा बदल रही है। हिंदुत्व को लेकर जो भ्रांतियाँ फैलाई जाती रही हैं, उन्हें भी भागवत ने तार्किक ढंग से दूर किया। उन्होंने कहा कि हिंदुत्व किसी संकीर्ण परिभाषा का नाम नहीं है। यह कोई धर्म विशेष की पूजा-पद्धति या संप्रदाय नहीं है। हिंदुत्व भारतीय जीवन दृष्टि है, वह व्यापक सांस्कृतिक धारा है, जिसमें करुणा, समरसता, सेवा, अहिंसा, सत्य और आत्मानुभूति का सम्मिलन है। हिंदुत्व सबको जोड़ता है, किसी को अलग नहीं करता। यह भारत की आत्मा है और इसी आत्मा के बल पर भारत को विश्वगुरु बनने की पात्रता प्राप्त हो सकती है। इस स्पष्ट व्याख्या ने उस संदेह को भी दूर किया कि संघ का हिंदुत्व राजनीतिक या सत्ता प्राप्ति का साधन है। वास्तव में यह संपूर्ण मानवता को एक सूत्र में बांधने वाली दृष्टि है, जिसमें भेदभाव के लिए कोई स्थान नहीं है। दूसरे दिन के वक्तव्य में भागवत ने और गहराई से विचार प्रस्तुत किए। उन्होंने पंचकर्म की चर्चा करते हुए कहा कि जैसे आयुर्वेद में पंचकर्म शरीर की शुद्धि का साधन है, वैसे ही समाज की शुद्धि और पुनर्निर्माण के लिए भी पंचकर्म आवश्यक है। उन्होंने पांच आयाम बताए-चरित्र निर्माण, संगठन निर्माण, समरसता, गरीब का उत्थान और आध्यात्मिक जागरण। यह पांचों पहलू किसी भी समाज के स्थायी स्वास्थ्य और विकास के आधार हैं। केवल राजनीतिक सुधार या आर्थिक प्रगति से राष्ट्र महान नहीं बनता, बल्कि तब बनता है जब व्यक्ति का चरित्र शुद्ध हो, समाज संगठित हो, उसमें समरसता हो, कमजोर वर्ग को उत्थान मिले और राष्ट्र का जीवन उच्च आध्यात्मिक मूल्यों से संपन्न हो।

विशेष रूप से गरीब आदमी के उत्थान पर भागवत का जोर उल्लेखनीय था। उन्होंने कहा कि भारत तभी सशक्त होगा जब समाज के अंतिम व्यक्ति तक सम्मान और अवसर पहुंचे। यह विचार महात्मा गांधी के अंत्योदय, विनोबा भावे के सर्वोदय और दीनदयाल उपाध्याय के एकात्म मानववाद की पुनर्स्मृति कराता है। आधुनिक भारत की सबसे बड़ी चुनौती यही है कि विकास के लाभ समाज के सभी तबकों तक समान रूप से नहीं पहुंचते। अमीर-गरीब की खाई बढ़ती जा रही है। यदि इस खाई को नहीं भरा गया, तो राष्ट्र की प्रगति अधूरी रह जाएगी। भागवत का दृष्टिकोण यह है कि राष्ट्र तभी महान बन सकता है जब उसका सबसे कमजोर नागरिक भी गरिमा और सम्मान के साथ जीवन जी सके। धर्मों की एकता पर उनका दृष्टिकोण भी उतना ही महत्वपूर्ण था। भारत का इतिहास यही बताता है कि यहां विविधता में एकता की परंपरा रही है। हिंदू, मुस्लिम, सिख, ईसाई, बौद्ध, जैन-सभी धर्म इस भूमि पर फले-फूले हैं और सभी का मूल संदेश करुणा, सेवा और मानवता रहा है। समस्या तब उत्पन्न होती है जब धर्म को सत्ता की राजनीति से जोड़ा जाता है। भागवत का कहना था कि यदि हम धर्मों के मूल्यों को देखें तो उनमें कोई टकराव नहीं है। सबका आधार प्रेम, सत्य और सेवा है। यही साझा आधार भारत को एक ऐसा समाज बनाने में सक्षम है, जो विश्व के लिए अनुकरणीय हो।

भागवत के विचार निश्चित रूप से भारत की सांस्कृतिक परंपरा और संघ की कार्यप्रणाली को नई स्पष्टता देते हैं, लेकिन यहां यह प्रश्न भी उठता है कि इन विचारों को व्यवहार में उतारने की राह कितनी सरल है? समाज की जटिलताओं, जातीय और धार्मिक तनावों, राजनीतिक स्वार्थों और आर्थिक विषमताओं के बीच नया मनुष्य बनाना एक दीर्घकालिक साधना है। आलोचक कहते हैं कि संघ के पास विचार तो हैं, लेकिन उनकी जड़ें अभी तक समाज के सभी वर्गों तक गहराई से नहीं पहुँची हैं। विशेषकर अल्पसंख्यक समुदायों में संघ के प्रति संदेह आज भी विद्यमान है। इसलिए केवल वक्तव्यों से नहीं, बल्कि ठोस और पारदर्शी कार्यों से यह भरोसा पैदा करना होगा कि संघ का हिंदुत्व वास्तव में सर्वसमावेशी है। इसी तरह गरीब के उत्थान और धर्मों की एकता की बातें विचारणीय हैं, किंतु यह भी देखना होगा कि क्या संघ और उससे जुड़े संगठन इस दिशा में ठोस योजनाएं और परिणाम दे पा रहे हैं? आलोचक यह प्रश्न उठाते हैं कि विकास की मुख्यधारा में गरीबों की स्थिति सुधारने में सामाजिक संगठनों से अधिक भूमिका सरकार की रही है। अतः यदि संघ इन बिंदुओं को अपनी कार्ययोजना का मूल बनाए, तो उसे केवल नैतिक आह्वान से आगे बढ़कर व्यावहारिक नीतियां और कार्यक्रम तैयार करने होंगे। तभी यह दृष्टि प्रभावी सिद्ध होगी और भारत सचमुच उस दिशा में बढ़ सकेगा, जिसकी परिकल्पना व्याख्यानमाला में की गई।आज की वैश्विक परिस्थितियों पर दृष्टि डालें तो भागवत के विचार और भी प्रासंगिक हो उठते हैं। दुनिया हिंसा, आतंकवाद, युद्ध और उपभोक्तावाद की अंधी दौड़ से त्रस्त है। पर्यावरण संकट दिन-प्रतिदिन गंभीर होता जा रहा है। मानसिक तनाव और आत्मकेंद्रित जीवन-शैली ने मानव को भीतर से खोखला कर दिया है। इन परिस्थितियों में भारत ही वह देश है, जो एक वैकल्पिक जीवन-दर्शन दे सकता है। भारत के पास भौतिक विकास के साथ-साथ आध्यात्मिक समृद्धि की धरोहर है। यही धरोहर भारत को विश्वगुरु बनने की पात्रता प्रदान करती है।

## इतिहास से सबक और भविष्य के प्रति आशावान होने का सार्थक समय

**संजीव ठाकुर**

प्रत्येक परिवर्तन अपने साथ-साथ बड़े तथा महान अवसर लेकर आता है। मार्टिन लूथर किंग जूनियर ने जिस ₹आई हैव ए ड्रीम ₹की कल्पना की थी वह जीवन के नए अवसर की कल्पना थी। महात्मा गांधी जी ने भी जिस स्वराज की कल्पना अपने मन में की थी वह भी उसी नए अवसर की खोज में उसकी तरफ छेड़ा गया एक अभियान था । बराक ओबामा ने भी कहा था ₹यस वी कैन₹ ने भी बड़े परिवर्तन को सच्चाई के अवसर की तलाश थी। डॉक्टर सर्वपल्ली राधाकृष्णन ने भी मनुष्य से देवत्व की यात्रा का वर्णन किया था। समय परिवर्तन के मुख्य द्वार से होकर गुजरता कर प्रत्येक परिवर्तन अपने साथ-साथ बड़े तथा अर्थपूर्ण अवसर लेकर आता है। मनुष्य के जीवन में प्रगति विकास और परिवर्तन ही जीवन का असली गुंजन है, और यही विजय यात्रा की ओर मनुष्य, समाज तथा देश को अग्रसर करता है।अवसर का जिसने भी सदुपयोग कर लाभ उठाया है और अपने अनुकूल बनाने का ऊर्जा के साथ प्रयास किया है वह विश्व विजेता बनने में सक्षम हुआ जीवन की संपूर्ण यात्रा में व्यक्ति को अपने जीवन में संघर्ष करना पड़ता है और तमाम कठिनाइयों को तोड़कर आगे की ओर अग्रसर होना पड़ता है। अवसर के मार्ग को खोलकर बड़ी विजय की महायात्रा प्राप्त हो सकती है। मूलतः परिवर्तन जीवन की एक मूलभूत विशेषता और एक जरूरी सत्य है बल्कि बेहतर कल तथा विकास के प्रत्येक सपने का हल भी होता है। परिवर्तन में अवसर तलाशने की यात्रा का अस्तित्व ही एक विजय गीत का गान है।परिवर्तन की इस महा प्रक्रिया का साइकल स्वयं इस बात का साक्ष्य है की परिवर्तन खुद ही नवीनता की एक बड़ी खोज है और परिवर्तन का सीधा अर्थ है जड़ता का नाश है। जो हमारी पुरानी परंपराएं जड़ तथा जंगम हो चुकी है या जो स्वयं को नई परिस्थितियों के अनुसार ढाल पाने में सक्षम नहीं है उसका अंत ही परिवर्तन का प्रस्थान बिंदु होता है और इसका अंत एक बड़े शून्य को जन्म देता है और यह नवीन तथा प्राचीनता के बीच की एक समन्वय की कड़ी होती हैं। और इसमें वह सारे और अवसर निहित होते हैं जिनका चयन ही भविष्य की बुनियाद तय करता है और इस शून्य के काल में किया गया प्रयत्न और प्रयास भविष्य के बड़े भाग्य को तय करता है और किसी समय चक्र के बार-बार परिवर्तन को ही जीवन की संज्ञा दी गई है। गीता में कृष्ण ने इस परिवर्तन वह उसमें अंतर्निहित मौके की तलाश करने का संकेत दिया है। मानवीय इतिहास में भी यदि नजर दौड़ाई तो पहला परिवर्तन 1215 में नागरिक अधिकार पत्र यानी मैग्नाकार्टा की प्राप्ति हुई थी। 12वीं और 13वीं सदी का समय सामंती प्रथा व क्रूरता से भरा समय था जहां मनुष्य एक साधन मात्र था। और उसी समय जब सदियों से भरी जनता को ललकारते हुए परिवर्तन का महत्व तथा सपना मनुष्य के दिमाग में पैदा हुआ,परिवर्तन की इस घड़ी ने एक अवसर को जन्म दिया था और उसी अवसर का उपयोग करते हुए मानव को नागरिक अधिकार पत्र प्रदान किया था। अब मनुष्य स्वयं का कर्ताधर्ता था और उसी नागरिक अधिकार पत्र में किए उल्लेख का परिणाम है कि आज हर समाज को सभ्यता का प्रमाण उसी अधिकार पत्र के आधार पर दिया जाता है। बीसवीं सदी ने जड़ता पर चोट की, मशीनों के शोर, हथियारों की होड़ के बीच कैलिफोर्निया क्रांति ने विश्व को सूचना प्रौद्योगिकी का उपहार दिया था। इस बड़े परिवर्तन ने संपूर्ण मानव समाज को एक बड़ा अवसर प्रदान किया पूरी कार्यप्रणाली को सरल बनाने और संपूर्ण सामाजिक व्यवस्था को पारदर्शी बनाने का उपहार भी दिया था। यह तो तय है कि जब जब जनता ने समाज की गति को रोकने का प्रयास किया तब मानवीय उद्यम और साहस ने उसे चुनौती दी।

## आगामी 6 एवं 7 सितंबर को आयोजित प्रारंभिक अर्हता परीक्षा के संबंध में बैठक

### बसों की पर्याप्त संख्या में उपलब्धता सुनिश्चित हो

- परीक्षा केंद्र तक पहुंचने में अभ्यर्थियों को असुविधा न हो
- बस अड्डों एवं बसों की साफ सफाई बेहतर हो- श्री एस एन साबत

भारत संवाद

लखनऊ , उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग के अध्यक्ष श्री एस एन साबत की अध्यक्षता में आज पिकप भवन गोमतीनगर लखनऊ में परिवहन निगम के अधिकारियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक संपन्न हुई। उक्त बैठक में आगामी 6 एवं 07 सितंबर 2025 को आयोजित होने वाली प्रारंभिक अर्हता परीक्षा( पी ई टी )को सुचारू ढंग से संपन्न कराने के संबंध में वार्ता हुई। बैठक में श्री साबत ने कहा कि इस वर्ष लगभग 25 लाख अभ्यर्थी प्रारंभिक अर्हता परीक्षा 2025 में सम्मिलित हो रहे हैं।इतनी बड़ी संख्या में परीक्षार्थियों की आवागमन की सुचारू व्यवस्था के लिए परिवहन निगम की जिम्मेदारी एवं भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि बसों की पर्याप्त संख्या सुनिश्चित कर लिया जाए ,जिससे कि समय से अभ्यर्थियों को उनके सेंटर पर पहुंचने में असुविधा न हो।श्री एस एन साबत ने परिवहन निगम के अधिकारियों से कहा कि बस स्टैंड पर किसी भी प्रकार की अव्यवस्था ना हो,इसका पूरा ध्यान रखा जाए।अभ्यर्थियों के लिए बस स्टैंड पर पीने के पानी, बैठने इत्यादि की व्यवस्था उचित ढंग से की जाए। बस स्टेशन पर एवं बसों में साफ सफाई बेहतर रहे ।

# 25 हजार का इनामी बदमाश गिरफ्तार

### कानपुर से एसटीएफ ने शैलेन्द्र को पकड़ा, हत्या के प्रयास समेत कई मामलों में था वांछित

भारत संवाद

प्रयागराज, उत्तर प्रदेश एसटीएफ प्रयागराज की टीम ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए 25 हजार रुपए के इनामी शातिर अभियुक्त शैलेन्द्र सिंह उर्फ भगत को गिरफ्तार कर लिया है। यह गिरफ्तारी कानपुर देहात क्षेत्र से की गई, जहां अभियुक्त लंबे समय से फरार चल रहा था। शैलेन्द्र सिंह उर्फ भगत जनपद प्रतापगढ़ के थाना दिलीपपुर क्षेत्र में हुए एक बहुचर्चित मुकदमे का मुख्य आरोपी है। बताया जा रहा है कि उसने पुरानी रंजिश को लेकर प्रतिद्वंद्वियों पर हमला किया था, जिसके बाद से ही वह पुलिस की पकड़ से दूर फरार हो गया था। उसकी गिरफ्तारी पर प्रतापगढ़ पुलिस द्वारा 25 हजार रुपए का इनाम घोषित किया गया था। एसटीएफ प्रयागराज को लगातार उसकी गतिविधियों की जानकारी मिल रही थी। मुखबिर की पुख्ता सूचना पर टीम ने घेराबंदी कर उसे कानपुर देहात से दबोच लिया। गिरफ्तारी के दौरान अभियुक्त ने भागने की कोशिश की, लेकिन एसटीएफ के जवानों की सतर्कता और सटीक कार्रवाई के आगे उसकी एक न चली। पुलिस सूत्रों के अनुसार, शैलेन्द्र सिंह कई गंभीर मामलों में वांछित है। उसके खिलाफ हत्या के प्रयास और मारपीट समेत कई धाराओं में मुकदमे दर्ज हैं। उसकी गिरफ्तारी से स्थानीय स्तर पर लोगों में राहत की भावना है, वहीं पुलिस को उम्मीद है कि अब इस बहुचर्चित मामले की कड़ियां और भी खुल सकेंगी। एसटीएफ की इस कामयाबी को बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है। पुलिस अब उससे पूछताछ कर रही है ताकि अन्य आपराधिक घटनाओं और उसके नेटवर्क का खुलासा किया जा सके। वहीं, प्रयागराज और प्रतापगढ़ की पुलिस ने भी राहत की सांस ली है कि लंबे समय से फरार चल रहा यह इनामी आखिरकार कानून के शिकंजे में आ चुका है।

फास्ट ट्रैक

## तीज सुहानी कार्यक्रम का आयोजन

भारत संवाद

खत्री सभा महिला मंडल प्रयागराज के तत्वाधान में तीज सुहानी कार्यक्रम का आयोजन सफलतापूर्वक होटल केजीएफ में किया गया । जिसमें 100 के करीब खत्री महिलाओं ने उत्साह पूर्वक सम्मिलित होकर कार्यक्रम का लुत्फ उठाया। अध्यक्षा रीना कपूर ने कार्यक्रम की शुरूआत अपने संबोधन से किया और सभी का अभिवादन किया। इसमें महिलाओं द्वारा नृत्य गेम्स व तीज क्वीन चुनी गई। समस्त कार्यकारिणी सदस्यों ने बड़ी मेहनत व निष्ठा के साथ सफल कार्यक्रम का आयोजन किया। अगले वर्ष भी इससे अच्छा कार्यक्रम होगा इस वादे के साथ सभी ने हंसी-खुशी विदाई ली। धन्यवाद।

## जिलाधिकारी ने राजस्व वादों के निस्तारण, आईजीआरएस एवं सीएम डैशबोर्ड की समीक्षा की

भारत संवाद

जिलाधिकारी श्री मनीष कुमार वर्मा ने शुक्रवार को संगम सभागार में राजस्व वादों के निस्तारण, आईजीआरएस एवं सीएम डैशबोर्ड की समीक्षा करते हुए सम्बंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए है। उन्होंने कहा कि पुराने राजस्व वादों की पेंडेंसी प्रत्येक दशा में कम होनी चाहिए। 3 वर्ष से अधिक राजस्व वादों को प्राथमिकता के आधार पर निस्तारित किए जाने के निर्देश दिए। आईजीआरएस की समीक्षा में उन्होंने कहा कि उनके द्वारा 10 शिकायकताओं से प्रति दिन बात की जा रही है, जिसमें शिकायतकताओं से फीडबैक खराब प्राप्त हो रहे है। उन्होंने सभी उपजिलाधिकारियों को इसमें सुधार लाये जाने के लिए निर्देशित किया है। साथ ही साथ यह भी हिदायत दी है कि यदि इसमें सुधार नहीं पाया गया तो निश्चित रूप से सम्बंधित की जिम्मेदारी तय की जायेगी। सीएम डैशबोर्ड की समीक्षा में जिलाधिकारी ने कहा कि किसी भी दशा में रैकिंग खराब न होने पाये अन्यथा सम्बंधित की जिम्मेदारी तय की जायेगी। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी हर्षिका सिंह सहित सभी सम्बंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

## थाना ड्रमण्डगंज पुलिस द्वारा 02 नफर वारण्टी गिरफ्तार

भारत संवाद

सोमेन बर्मा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद मीरजापुर द्वारा जनपद में अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना ड्रमण्डगंज पुलिस द्वारा 02 नफर वारण्टी को गिरफ्तार किया गया । आज दिनांक:29.08.2025 को उप निरीक्षक रामविलाश मय पुलिस टीम द्वारा 02 नफर वारण्टी 1.नसीम खाँ पुत्र नसीर खाँ व 2.नसीर खाँ पुत्र वसीर खाँ निवासीगण महेशपुर थाना ड्रमण्डगंज जनपद मीरजापुर को उनके घर से गिरफ्तार कर मा0न्यायालय में प्रस्तुत किया गया।

## बी एस एस एकेडमी में राष्ट्रीय खेल दिवस पर आयोजित किए गए विभिन्न कार्यक्रम

भारत संवाद

बी एस एस एकेडमी, फुलवारी, प्रतापगढ़ में आज राष्ट्रीय खेल दिवस का शुभारंभ मैनेजर धर्मेंद्र सिंह एवं प्रधानाचार्य अवधेश प्रताप सिंह ने मेजर ध्यानचंद की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया। विद्यालय निदेशक विनोद सिंह ने बच्चों को राष्ट्रीय खेल दिवस पर शुभकामनाएं देते हुए बच्चों को मेजर ध्यानचंद के जीवन और उपलब्धियों की जानकारी दी। विद्यार्थियों ने खेलों के माध्यम से शारीरिक स्वास्थ्य को बेहतर रखने का संकल्प लिया। बच्चों ने विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में भाग लिया। लड़कियों ने शानदार खो-खो खेला और सीनियर वर्ग में रेड हाउस ने टीम कैप्टेन आलिया राजपाल के नेतृत्व में ग्रीन हाउस को हराया वहीं जूनियर वर्ग में येलो हाउस टीम कैप्टेन अमैदिनी सिंह के नेतृत्व में ब्लू हाउस को फाइनल में हराकर विजेता बनी। वालीबॉल के लिए ब्लू हाउस और रेड हाउस के बीच फाइनल मैच हुआ जिसमें टीम कैप्टन अंश विश्वकर्मा की ब्लू हाउस ने अपनी बढ़त बनाते हुए कैप्टन अनूप मिश्रा की रेड हाउस टीम को धूल चटाई। जूनियर बालक वर्ग कबड्डी में प्रियांशु यादव की टीम विजेता बनी। सीनियर बालक वर्ग कबड्डी में कैप्टन गौरव यादव की टीम ग्रीन हाउस विजेता बनी ।केजी कक्षाओं में सर्कल विद बॉल में रुद्र प्रताप सिंह प्रथम, शिवा विश्वकर्मा द्वितीय एवं परी सरोज तृतीय स्थान पर रहे ।फिल बकेट गेम में दुष्यंत सिंह प्रथम, आर्यन द्वितीय एवं शौर्य पांडेय तृतीय स्थान पर रहे ।टुगेदर मूव गेम में सूर्यांश सिंह प्रथम, वंशिका पाल द्वितीय एवं मो. जैद तृतीय स्थान, पास द बाल गेम में रिधिका सिंह प्रथम, शिवांश द्वितीय स्थान, अयांश सिंह तृतीय स्थान, बाल इन बास्केट गेम में अक्षय श्रीवास्तव प्रथम, अवनी पाल द्वितीय एवं कृषांक सिंह तृतीय स्थान, पास द वाटर बाटल में तृषा शर्मा प्रथम, अर्थ यादव द्वितीय ध्रुव सिंह तृतीय स्थान, बैलेंस द कप गेम्स में शुभी प्रथम, दिव्यांशी द्वितीय एवं आराध्या तृतीय स्थान, जिग जैग गेम्स में वैष्णवी सरोज प्रथम, रिंग रेस में वंशिका शुक्ला प्रथम एवं विनायक पांडेय द्वितीय स्थान पर रहे। चेयर कलेक्शन रेस में अनिरुद्ध यादव प्रथम, विनायक द्वितीय एवं स्वरा तृतीय स्थान, स्पाइडर रेस में नेत्रा, अनिका, प्रियल प्रथम स्थान, स्वाती, माही, तैसीन, यशु द्वितीय स्थान एवं आद्विक, शिव, देवांश, ओम एवं रुद्रांश तिवारी तृतीय स्थान पर रहे। मैनेजर धर्मेंद्र सिंह ने कहा कि खेल शारीरिक स्वास्थ्य के साथ अनुशासन और टीम भावना जैसे मूल्यों को विकसित करते हैं। प्रधानाचार्य अवधेश प्रताप सिंह ने कहा कि खेल शिक्षा का महत्पूर्ण हिस्सा है। विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ खेलों में भी बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रयास करना चाहिए। खेल शिक्षक संजय सिंह, दिव्या साहू और शिक्षकगण शिवानी कांत वर्मा, संजू सिंह, निखिल सिंह, राखी मिश्रा, आरती पांडेय ने आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई ।कार्यक्रम का संचालन कोआर्डिनेटर धर्मराज मौर्य ने किया।

## रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने अधिकारियों को नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर बन रहे होल्डिंग एरिया को जल्द से जल्द पूरा करने के निर्देश दिए

### त्योहारों के दौरान बेहतर भीड़ प्रबंधन के लिए बनाए जा रहे हैं ये होल्डिंग एरिया

भारत संवाद

नई दिल्ली, आज माननीय रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव एक कार्यक्रम में शामिल होने नई दिल्ली स्टेशन पहुँचे। इस दौरान उन्होंने स्टेशन परिसर में बन रहे होल्डिंग एरिया का जायजा लिया और वहाँ मौजूद अधिकारियों को होल्डिंग एरिया का काम जल्द से जल्द पूरा करने के निर्देश दिए।

त्योहारों के दौरान, जब यात्रियों की भीड़ बढ़ जाती है, यात्रियों के सुचारू प्रबंधन के लिए नई दिल्ली रेलवे स्टेशन परिसर के अजमेरी गेट की ओर एक स्थायी होल्डिंग एरिया बनाया जा रहा है। होल्डिंग एरिया को तीन कार्यात्मक क्षेत्रों में विभाजित किया जाएगा

प्री-टिकटिंग एरियाः 1950 वर्ग मीटर - इस जगह पर व्यस्त समय में लगभग 2700 यात्री बैठ सकते हैं।

टिकटिंग एरियाः 2288 वर्ग मीटरः इसमें यात्रियों की सुचारू आवाजाही के लिए 3100 यात्री बैठ सकते हैं।

टिकट-पश्चात क्षेत्रः 1570 वर्ग मीटरः इसमें लगभग 1350 यात्रियों के बैठने की व्यवस्था है, जिससे कतार में लगने, सुरक्षा जाँच और सामान की स्कैनिंग के लिए पर्याप्त जगह उपलब्ध है।

इस समर्पित होल्डिंग क्षेत्र में यात्रियों के लिए निम्नलिखित सुविधाएँ उपलब्ध होंगीः

22 टिकट काउंटर
2 शौचालय ब्लॉक
जन संबोधन प्रणाली
सूचना के लिए इलेक्ट्रॉनिक डिस्प्ले बोर्ड
ए आई आधारित निगरानी कैमरे
सामान स्कैनर
यात्रियों के मार्गदर्शन के लिए साइनेज
मेट्रो कनेक्टिविटी से एकीकृत

वर्तमान में, इस होल्डिंग क्षेत्र का निर्माण कार्य प्रगति पर है। इस होल्डिंग क्षेत्र के निर्माण के दौरान, एटीएम काउंटरों को स्थानांतरित करना, दो इलेक्ट्रिक हाईमास्ट को स्थानांतरित करना, दो मोबाइल टावरों को हटाना, प्रीपेड टैक्सी स्टैंड को स्थानांतरित करना, दिल्ली पुलिस केबिन को स्थानांतरित करना जैसे कई चुनौतीपूर्ण कार्य किए जा रहे हैं।

## एनएसआईसी के पूर्व अध्यक्ष डॉ. एच.पी. कुमार द्वारा लिखित फ्रैक्चर्ड विंग्स ऑफ द गोल्डन बर्ड नामक पुस्तक का लोकार्पण

भारत संवाद

नई दिल्ली, फ्रैक्चर्ड विंग्स ऑफ द गोल्डन बर्ड शीर्षक से एक पुस्तक का विमोचन न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) श्री एम.एम. कुमार, उच्च न्यायालय, जम्मू और कश्मीर के पूर्व मुख्य न्यायाधीश एवं नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल के पूर्व अध्यक्ष और राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के पूर्व सदस्य द्वारा कॉन्स्टिट्यूशन क्लब, नई दिल्ली के तत्वावधान में 27 अगस्त, 2025 को किया गया, जिसमे साहित्यिक जगत, सिविल सेवार्थी और समाज के प्रमुख लोगों द्वारा भाग लिया गया। यह पुस्तक एक काल्पनिक उपन्यास है जोकि एक आईएएस दंपति की कहानी है और उनके सेवाकाल के विभिन्न अनुभवों का वर्णन करते हुए देश के प्रशासनिक परिदृश्य का एक कल्पनाशील किंतु विचारोत्तेजक चित्रण प्रस्तुत करती है।भारत की नौकरशाही व्यवस्था की पृष्ठभूमि में लिखित यह उपन्यास शासन के भावनात्मक, नैतिक और सामाजिक पहलुओं का भी चित्रण करता है। यह उस अप्रिय स्थिति पर गंभीर प्रश्न उठाता है जिसमें हर साल लाखों युवा अपने जीवन के सबसे महत्वपूर्ण वर्ष सिविल सेवा, विशेष रूप से आईएएस, की तैयारी और प्रतियोगिता में व्यतीत करते हैं, जिनमें से केवल सीमित संख्या – लगभग एक हजार – को ही सफलता मिलती है। आईएएस में एक विशिष्ट कैरिअर बनाने की इस अपील के कारण युवाओं का बहुत कीमती समय व्यतीत हो जाता है, जिसे देश की जरूरत वाले अन्य क्षेत्रों में अपनी पहचान बनाने के लिए उपयोग किया जा सकता था। यह पुस्तक एक मार्मिक प्रश्न उठाती हैः आईएएस के सपने का पीछा करने की कीमत क्या है? यह पुस्तक इस वास्तविकता पर भी प्रकाश डालती है और हमें यह पुनर्विचार करने का संकेत देती है कि हम अपने युवाओं का मार्गदर्शन और उन्हें सशक्त कैसे करें। यह पुस्तक पाठकों को इस प्रवृत्ति के व्यापक सामाजिक प्रभाव पर विचार करने और युवाओं की प्रतिभा को विविध, रचनात्मक मार्गों में निर्देशित करने की आवश्यकता को पहचानने की चुनौती देती है। पुस्तक में ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में रोजगार सृजन के वैकल्पिक मॉडलों का भी वर्णन किया गया है ।पुस्तक का मुख्य संदेश स्पष्ट हैः नीति और नैतिकता को एक अनुशासित और समृद्ध समाज की नींव बनाना चाहिए। कल्पनाशील कहानी और विचारोत्तेजक संवादों के माध्यम से लेखक द्वारा सार्वजनिक जीवन में ईमानदारी, सहानुभूति और जन सेवा प्रति समर्पण का आह्वान किया गया है ।फ्रैक्चर्ड विंग्स ऑफ द गोल्डन बर्ड पाठकों को न केवल आकर्षित करेगी, बल्कि इस बहस को भी जन्म देगी और भारत की शासन व्यवस्था में मौजूद चुनौतियों और संभावनाओं को किस प्रकार सुलझाया जा सकता है। इस अवसर पर मुख्य अतिथि ने एक प्रेरणादायक सम्बोधन दिया और पुस्तक की प्रासंगिकता और साहित्यिक गहराई की सराहना करते हुए कहा यह केवल एक उपन्यास नहीं है – यह हमारे समाज का दर्पण है। लेखक ने कथा के माध्यम से उन सच्चाइयों को उजागर किया है जो हर उस नागरिक के साथ गूंजती हैं।

## राष्ट्रीय खेल दिवस पर ईसीसी में बैडमिंटन टूर्नामेंट का भव्य आयोजन

भारत संवाद

प्रयागराज, राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर खेलो भारत, प्रयाग महानगर द्वारा इविंग क्रिश्चियन कॉलेज (ईसीसी), प्रयागराज में बैडमिंटन टूर्नामेंट का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पण के साथ किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में ईसीसी के चीफ प्रॉक्टर डॉ. थॉमस इब्राहिम, राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई-2 के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. आरुणेय मिश्र, डॉ. प्रेम प्रकाश सिंह एवं डॉ. अरुण कुमार सिंह उपस्थित रहे। अपने संबोधन में डॉ. आरुणेय मिश्र ने कहा कि खेल जीवन का अभिन्न हिस्सा है, जो शारीरिक और मानसिक विकास के साथ आत्मविश्वास को भी बढ़ाता है। उन्होंने कहा कि जीत हमें उत्साह देती है जबकि हार नई सीख प्रदान करती है, इसलिए विद्यार्थियों को सदैव खेल भावना से खेलना चाहिए। टूर्नामेंट के परिणामों में छात्र वर्ग में अंकित दुबे प्रथम, हर्षवर्धन सिंह द्वितीय तथा कौशलेंद्र प्रताप सिंह तृतीय स्थान पर रहे। वहीं छात्रा वर्ग में शालिनी केसरवानी ने प्रथम, भूमि मिश्रा ने द्वितीय तथा अंकित आनंद एवं भावना पाल संयुक्त रूप से तृतीय स्थान प्राप्त किया। पुरस्कार वितरण समारोह में एनएसएस इकाई-5 के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. प्रेम प्रकाश सिंह ने कहा कि खेल अनुशासन, परिश्रम और टीम भावना का परिचायक है और विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में इनकी महत्वपूर्ण भूमिका होती है। राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर ईसीसी के साथ-साथ कुलभास्कर आश्रम पीजी कॉलेज में शतरंज एवं कैरम प्रतियोगिता तथा अमिताभ बच्चन स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में बास्केटबॉल प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। इन आयोजनों में प्रवासी कार्यकर्ता, खेलो भारत की राष्ट्रीय सहसंयोजक शिवानी चौहान विशेष रूप से उपस्थित रहीं। कार्यक्रम में ज्ञान प्रकाश, अवनेंद्र सिंह, रेफरी कुशाग्र, ऋतिक, क्षितिज, अर्पित, नितिन एवं आस्था सिंह विशेष रूप से उपस्थित रहे।

श्रद्धांजलि — खेल केवल मैदान तक सीमित नहीं होते, बल्कि जीवन जीने की एक कला और राष्ट्रसेवा का माध्यम भी

# राष्ट्रीय खेल दिवस पर मेजर ध्यानचंद जी को श्रद्धांजलि

### खेल और योग भारतीय संस्कृति के अनमोल उपहार : स्वामी चिदानन्द सरस्वती

भारत संवाद

ऋषिकेश। राष्ट्रीय खेल दिवस पूरे भारत के लिये गर्व का विषय है। यह दिन हॉकी के जादूगर, भारत के गौरव और खेल-जगत के अप्रतिम नायक मेजर ध्यानचंद जी की जयंती को समर्पित है। उनके असाधारण खेल कौशल, अनुशासन और राष्ट्रभक्ति ने न केवल भारतीय हॉकी को स्वर्णिम ऊँचाइयों तक पहुँचाया बल्कि पूरे विश्व में भारत का नाम रोशन किया।

मेजर ध्यानचंद जी का जीवन युवाओं के लिए सशक्त संदेश है कि खेल केवल मैदान तक सीमित नहीं होते, बल्कि जीवन जीने की एक कला और राष्ट्रसेवा का माध्यम भी हैं। उनका मंत्र था अनुशासन से बढ़ो, परिश्रम से चमको और राष्ट्रभक्ति से जीवन को सार्थक बनाओ। यही गुण आज के युवाओं को नई दिशा और ऊर्जा प्रदान कर सकते हैं। स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी ने कहा कि खेल भावना हमें सिखाती है कि जीत और हार दोनों को समान भाव से स्वीकार करना चाहिए। खेल का वास्तविक उद्देश्य केवल पदक जीतना नहीं, बल्कि टीमवर्क, अनुशासन, आत्मविश्वास और एकता का विकास करना है। जब खिलाड़ी मैदान में उतरते हैं तो वह केवल स्वयं का नहीं, बल्कि अपने पूरे देश का प्रतिनिधित्व करते हैं। उसके प्रयास केवल व्यक्तिगत नहीं, बल्कि राष्ट्रीय उन्नति से जुड़े होते हैं। आज के दिन हम उन सभी खिलाड़ियों का अभिनंदन करते हैं जिन्होंने अपने पसीने और समर्पण से देश को गौरवान्वित किया। चाहे ओलंपिक में पदक जीतने वाले हों, अंतर्राष्ट्रीय मंच पर भारत का तिरंगा लहराने वाले हों या फिर ग्रामीण अंचल में बच्चों को खेल के माध्यम से आगे बढ़ाने वाले हर खिलाड़ी भारत की शक्ति और आशा का प्रतीक है। खेल, शरीर को स्वस्थ और बलशाली बनाते है और मन और आत्मा को भी संतुलित करते हैं। योग, ध्यान और खेल का संगम हमें पूर्णता की ओर ले जाता है। आज जब दुनिया मानसिक तनाव और असंतुलन से जूझ रही है, खेल और योग भारतीय संस्कृति के वे अनमोल उपहार हैं जो जीवन को शांति, संतुलन और आनंद प्रदान करते हैं ।मेजर ध्यानचंद जी ने दिखाया कि सच्चा खिलाड़ी केवल तकनीक और कौशल से नहीं, बल्कि ईमानदारी, समर्पण और राष्ट्रप्रेम से महान बनता है। जब वे हॉकी स्टिक हाथ में लेते थे तो पूरी दुनिया उनकी प्रतिभा का लोहा मानती थी। यही कारण है कि उन्हें ह्यहॉकी का जादूगरह्ण कहा जाता है ।राष्ट्रीय खेल दिवस हमें यह स्मरण कराता है कि भारत का खेल में भविष्य तभी उज्ज्वल होगा जब युवा वर्ग खेलों में सक्रिय भागीदारी करेगा और जीवन में खेल भावना को अपनाएगा। आइए, इस राष्ट्रीय खेल दिवस पर हम सब संकल्प लें कि हम खेलों को केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण का साधन मानेंगे, हम अनुशासन, परिश्रम और समर्पण को अपने जीवन का आधार बनाएँगे। हम अपने युवायों को खेल के प्रति प्रोत्साहित करेंगे और खेल संस्कृति को गांव-गांव तक पहुँचाएँगे। आज का दिन केवल एक स्मृति नहीं, बल्कि एक आह्वान है। आह्वान युवाओं से, आह्वान खिलाड़ियों से, आह्वान हर भारतवासी से कि खेलो, जीतो और भारत को गौरवान्वित करो।

## पूजा स्पेशल ट्रेनों से सफर होगा आसान, 2024 अतिरिक्त ट्रिप्स की अधिसूचना जारी

भारत संवाद

त्योहारों का मौसम शुरू होते ही रेल यात्रियों की संख्या में बढ़ोतरी देखी जाती है। इसी बढ़ती मांग को ध्यान में रखते हुए, भारतीय रेल ने यात्रियों की सुविधा के लिए हजारों विशेष ट्रेन सेवाओं के संचालन का फैसला लिया है। बिहार जाने वाले यात्रियों की सुविधा के लिए ही 12000 से अधिक ट्रेनों को चलाने की योजना बनाई जा चुकी है। जिन ट्रेनों के संचालन की योजना बन चुकी है उनका नोटिफिकेशन भी अब जारी किया जाना प्रारंभ हो चुका है । 21 सितंबर से 30 नवंबर 2025 तक कुल 150 पूजा स्पेशल ट्रेनों का संचालन संबंधी अधिसूचना जारी कर दी गई है जिनके माध्यम से कुल 2024 अतिरिक्त फेरे (ट्रिप्स) सुनिश्चित किए जाएंगे। भारतीय रेल द्वारा यह निर्णय त्योहारों के अवसर पर देश के विभिन्न हिस्सों से यात्रियों की निर्बाध आवाजाही सुनिश्चित करने और उन्हें अपने प्रियजनों के साथ उत्सव मनाने का अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से लिया गया है। विशेष रूप से उत्तर भारत, पूर्वी भारत और दक्षिण भारत के बड़े स्टेशनों से चलने वाली इन ट्रेनों से महानगरों और ग्रामीण इलाकों के बीच बेहतर संपर्क सुनिश्चित किया गया है ।पूजा स्पेशल इन ट्रेनों की श्रृंखला के तहत दक्षिण मध्य रेलवे द्वारा सर्वाधिक 48 ट्रेनें चलाई जाएंगी, जो 684 ट्रिप्स पूरा करेंगी। इन ट्रेनों का संचालन मुख्यतः हैदराबाद, सिकंदराबाद और विजयवाड़ा जैसे प्रमुख स्टेशनों से किया जाएगा। पूर्व मध्य रेलवे ने 14 ट्रेनें अधिसूचित की हैं, जो पटना, गया, दरभंगा और मुजफ़्फरपुर जैसे बिहार के प्रमुख स्टेशनों से होकर गुजरेंगी और कुल 588 ट्रिप्स लगाएंगी। पूर्वोत्तर रेलवे द्वारा कोलकाता, सियालदह, हावड़ा जैसे भीड़भाड़ वाले स्टेशनों से 24 विशेष ट्रेनें चलाई जाएंगी, जिनके मदद से 198 ट्रिप्स संचालित होंगी। वहीं पश्चिम रेलवे ने मुंबई, सूरत, वडोदरा जैसे शहरों से 24 स्पेशल ट्रेनें घोषित की हैं जो 204 ट्रिप्स पूरी करेंगी। दक्षिण रेलवे द्वारा चेन्नै, कोयंबत्तूर, मदुरै जैसे स्टेशनों से 10 ट्रेनें चलाई जाएंगी, जिनसे 66 ट्रिप्स होंगी। इसके अलावा पूर्व तट रेलवे से भुवनेश्वर, पुरी और सम्बलपुर, दक्षिण पूर्व रेलवे से रांची, टाटानगर, उत्तर मध्य रेलवे से प्रयागराज, कानपुर, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे से बिलासपुर, रायपुर और पश्चिम मध्य रेलवे से भोपाल, कोटा जैसे स्टेशनों को जोड़ते हुए विशेष ट्रेनें संचालित की जाएंगी ।स्पेशल ट्रेनों की सूची, समय सारणी, रूट और ठहराव की विस्तृत जानकारी रेलवे की आधिकारिक वेबसाइट, कफउळऊ और नजदीकी रेलवे स्टेशनों पर उपलब्ध है। रेलवे यात्रियों से अपील करता है कि वे इन विशेष ट्रेनों में यात्रा करने के लिए अग्रिम बुकिंग कराएं और अपने टिकट की पुष्टि सुनिश्चित करें। साथ ही यात्रियों से यह भी अनुरोध किया जाता है कि सफर के दौरान रेल मंत्रालय द्वारा जारी सुरक्षा और स्वच्छता से संबंधित दिशा-निर्देशों का पालन करें।

# पुरानी पेंशन कर्मचारियों का अधिकारकः बी.पी.सिंह रावत

भारत संवाद

सहारनपुर। राष्ट्रीय पुरानी पेंशन संयुक्त मोर्चा के आहवान पर एक पेंशन संगोष्ठी का आयोजन जूनियर इंजीनियर संघ भवन सिंचाई विभाग देहरादून रोड पर आयोजित की गयी जिसमें कर्मचारी, शिक्षक संघ ने प्रतिभाग किया। संगोष्ठी को सम्बोधित करते हुए संयुक्त मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष बी.पी.सिंह रावत ने कहा कि पुरानी पेंशन कर्मचारियों का अधिकार है और वृद्धावस्था की लाठी है, जिसे सरकार को हमें देना चाहिए। प्रदेश अध्यक्ष डा. आलोक यादव ने कहा कि जब विधायक व सांसद की पेंशन है तो सरकारी कर्मचारी को जरूर मिलनी चाहिए। प्रदेश मंत्री विमल कुमार, उत्तराखण्ड प्रदेश महामंत्री सीतारमा पोखरियाल व विक्रम सिंह रावत ने कहा कि परिवार में 60 साल के बाद पेंशन से ही इज्जत मिलेगी। संयोजक विकास धारिया व सुनील कुमार ने कहा कि हम सरकार से पुरानी पेंशन की मांग करते हैं, सभी शिक्षक कर्मचारी एकजुटता का परिचय दें ताकि सरकार से पुरानी पेंशन बहाल करायी जा सके। महामंत्री योगेन्द्र सिंह, मंडल अध्यक्ष शमीम अहमद,



मंडल मंत्री विपिन सैनी ने संयुक्त रूप से कहा कि पुरानी पेंशन हमारा अधिकार है, जिसे हम हर सूरत में लेकर रहेंगे। संगोष्ठी को नरेश धारिया, रविन्द्र पंवार, राजीव शर्मा, दीपक खंडूरी, हिमांशू, परविन्द्र राणा, संजय शर्मा, टिंकू धारीवाल, मोनू कुमार आदि ने भी सम्बोधित कियां

# विद्यार्थियों एवं शिक्षकों की उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए नियमित रूप से करें निरीक्षण, बंद पाए जाने पर प्रधानाचार्य होंगे निलंबित

## आरटीई के तहत शत-प्रतिशत पात्र बच्चों का नामांकन निजी विद्यालयों में सुनिश्चित कराया जाए

**कायाकल्प योजना के अंतर्गत सुधार हो चुके विद्यालयों में व्यवस्थाओं का प्रभावी रखरखाव किया जाए**

प्रवीन कुमार शर्मा संवादाता / भारत संवाद

अलीगढ़। कलैक्ट्रेट सभागार में आयोजित बैठक में जिलाधिकारी संजीव रंजन ने बेसिक शिक्षा एवं समग्र शिक्षा के तहत संचालित योजनाओं की गहन समीक्षा की। बैठक में जिला टास्क फोर्स के सदस्यों को निर्देशित किया गया कि विद्यालयों में विद्यार्थियों एवं शिक्षकों की उपस्थिति सुनिश्चित हो, इसके लिए आवश्यक है कि नियमित रूप से विद्यालयों का निरीक्षण किया जाए। बंद पाए जाने वाले विद्यालयों के प्रधानाचार्यों के विरूद्ध निलंबन की संस्तुति से भी हिचका न जाए। उन्होंने कहा कि बच्चे देश का भविष्य हैं, किसी भी स्थिति में खिलबाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। अधिशासी अभियंता विद्युत ने बताया कि चिन्हित 90 विद्यालयों के ऊपर से गुजर रही हाईटेंशन लाइन को हटाने का कार्य आरंभ किया जाएगा, इसके लिए विभाग को 1.16 करोड़ की धनराशि प्राप्त हो गई है। जिलाधिकारी ने कहा कि कायाकल्प योजना के अंतर्गत सुधार हो चुके विद्यालयों में व्यवस्थाओं का प्रभावी रखरखाव किया जाए। प्रधानाचार्य कार्य की गुणवत्ता से कोई समझौता न करें। जिन विद्यालयों में अभी 19 पैरामीटर पर कार्य अधूरा है, वहां जल्द से जल्द कार्य पूर्ण कर संतृप्तिकरण सुनिश्चित की जाए। विद्यालयों में स्वच्छ वातावरण और बेहतर शैक्षिक माहौल बनाने पर जोर देते हुए डीएम ने नगर निगम, अधिशासी अधिकारियों और डीपीआरओ को आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने खंड शिक्षा अधिकारियों से स्पष्ट कहा कि वे दफ्तरों में बैठने की बजाय नियमित रूप से विद्यालयों का निरीक्षण करें और मौके पर समस्याओं का समाधान कराएं। शिक्षा का अधिकार अधिनियम को लागू कराने में किसी भी तरह की शिथिलता बर्दाश्त नहीं होगी। डीएम ने कहा कि शत-प्रतिशत पात्र बच्चों का नामांकन निजी विद्यालयों में सुनिश्चित किया जाए, अन्यथा संबंधित विद्यालयों पर अर्थदंड की कार्रवाई की जाएगी। साथ ही उन्होंने नामांकन लक्ष्य की पूर्ति को सर्वोच्च प्राथमिकता देने पर बल दिया। मुख्य विकास अधिकारी प्रखर कुमार सिंह ने प्रेरणा पोर्टल एवं यू-डायस पर नामांकन के अंतर को समाप्त करने के साथ ही शारीरिक एवं मानसिक रूप से कमजोर विद्यार्थियों को मुख्य धारा में लाने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी प्रधानाचार्यों को निर्देशित किया कि ऐसे दिव्यांग विद्यार्थी जिनके यूडीआईडी कार्ड नहीं बने हैं शीघ्र बनवाए जाएं। बैठक में निपुण भारत अभियान की भी समीक्षा की गई।

## फास्ट ट्रैक

### थाना बेहट परिसर में एसएचओ ने सुनी समस्याएं

सहारनपुर(बेहट)। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) आशीष तिवारी के निर्देशन में थाना प्रभारी ने अपने कार्यालयों पर प्रतिदिन की भांति जनसुनवाई का आयोजन किया। इस दौरान आमजन की समस्याओं को ध्यानपूर्वक सुना गया और नियमानुसार उनका निस्तारण किया गया। यह पहल पुलिस और जनता के बीच संवाद को मजबूत करने और समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए शुरू की गई है। जानकारी के मुताबिक बृहस्पतिवार को थाना प्रभारी सतपाल सिंह भाटिया ने जनसुनवाई में सक्रिय भागीदारी की। इस दौरान नागरिकों ने अपनी शिकायतें, जैसे भूमि विवाद, चोरी, उत्पीड़न और अन्य अपराधों से संबंधित मामले, थाना प्रभारि के समक्ष रखे। प्रभारि ने शिकायतों को गंभीरता से सुना और त्वरित कार्रवाई का आश्वासन दिया। कई मामलों में मौके पर ही समाधान कर दिया गया, जबकि जटिल शिकायतों के लिए नियमानुसार जांच शुरू की गई।

### भ्रष्टाचार मुक्त भारत को लेकर दिलाई शपथ

सहारनपुर। जनपद के दिल्ली रोड स्थित दिल्ली पब्लिक स्कूल में एंटी करप्शन फाउंडेशन ऑफ इंडिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष गौरव गाबा के निर्देशन में एंटी करप्शन फाउंडेशन ऑफ इंडिया संगठन की टीम ने स्कूली बच्चों को भ्रष्टाचार के बारे में अवगत कराया तथा साथ ही साथ उन्हें भ्रष्टाचार मुक्त समाज एवं भारत का निर्माण कैसे हो उसके लिए सत्यनिष्ठा की शपथ दिलाई गई।आज हमारे देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का भी यही प्रथम लक्ष्य यही है की भारतवर्ष से भ्रष्टाचार को खत्म किया जाए लेकिन उसके लिए हमारे देश के स्कूल कॉलेज में पढ़ाई कर रहे युवा शक्ति को भी जागरूक एवं प्रयत्नशील होना पड़ेगा तभी यह कार्य संभव हो पाएगा डिस्ट्रिक्ट कोऑर्डिनेटर गगनदीप ने एंटी करप्शन फाउंडेशन ऑफ इंडिया का परिचय देते हुए संघटन के द्वारा किए जाने वाले भ्रष्टाचार के खिलाफ जागरूकता अभियानों के बारे में बताया उसके पश्चात राष्ट्रीय अध्यक्ष गौरव गाबा ने बताया कि जो सत्यनिष्ठा प्रतिज्ञा बच्चो को कराई जाती है।इस अवसर एसीएफआई के मुख्य पदाधिकारी श्री गुलशन वाधवा ,गगन गुलाटी ,प्रिंस बतरा ,अपूर्व वर्मा ,गगनदीप सिंह एवं एसीएफआई सहारनपुर महिला सेल से नीना ढींगरा एवं डॉक्टर रिचा भटनागर ,आदि सभी पदाधिकारी उपस्थित रहे।

### खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन

सहारनपुर। राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर नागरिक सुरक्षा सहारनपुर द्वारा खेल एवं फिटनेस भावना को जागृत करने के उद्देश्य से डॉक्टर भीमराव अंबेडकर स्टेडियम पर खेलो इंडिया स्वस्थ्य इंडिया के नारे को साकार करते हुए शारीरिक फिटनेस हेतु विभिन्न खेलकूद गतिविधियां का आयोजन कराया गया,जिससे सभी प्रतिभागियों में शारीरिक रूप से जोश एवं ऊर्जा का संचार हुआ, तथा भविष्य में भी स्वस्थ रहने हेतु खेलकूद गतिविधि करने का संकल्प लिया गया सभी ने यह कहा कि हम प्रतिदिन खेला करेंगे।

### जिला निर्वाचन अधिकारी ने सील्ड गोदाम का किया निरीक्षण

सहारनपुर। जिला निर्वाचन अधिकारी मनीष बंसल ने भारत निर्वाचन आयोग के निदेर्शों के अनुसार मासिक निरीक्षण के तहत जिला निर्वाचन कार्यालय में बने गोदाम का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान सील्ड गोदाम सुव्यस्थित पाये गये ।अवगत कराना है कि निर्वाचन आयोग के निदेर्शों के अनुपालन में निर्वाचन की निष्पक्षता एवं पारदर्शिता के तहत ईवीएम एवं वीवीपेट के रखाव के दृष्टिगत सील्ड गोदाम का मासिक निरीक्षण किया जाना आवश्यक होता है। इस अवसर पर संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

### अटल बिहारी वाजपेयी उत्तर प्रदेश राज्य छात्रवृत्ति योजना

**यूके में एक विषय में एक वर्ष के अध्ययन हेतु प्रदान की जाएगी छात्रवृत्तिः डीएम**

सहारनपुर। जिलाधिकारी मनीष बंसल ने बताया कि उत्तर प्रदेश सरकार तथा कॉमन वेल्थ एण्ड डवलेपमेंट ऑफिस यूके के सहयोग से चिवनिंग भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी उत्तर प्रदेश राज्य छात्रवृत्ति योजना का संचालन किया गया है।इस योजना के अन्तर्गत प्रदेश के 05 प्रतिभावान छात्रों को यूके में मास्टर डिग्री लेने हेतु छात्रवृत्ति प्रदान किये जाने का लक्ष्य निर्धारित है। यह योजना शैक्षणिक वर्ष 2026-27 से आरम्भ होगी जो 03 वर्ष की अवधि के लिए प्रभावी रहेगी।

# आयुक्त महोदय अयोध्या मण्डल अयोध्या की अध्यक्षता में ग्राम पंचायत केनौरा, वि0ख0 भदैयाँ में ग्राम चौपाल का हुआ आयोजन

- आयुक्त महोदय अयोध्या मण्डल अयोध्या द्वारा निमार्णाधीन प्रधानमंत्री भारत हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर मिशन के अन्तर्गत राज्य स्वशासी चिकित्सा महाविद्यालय में 100 शैय्या क्रिटिकल केयर ब्लाक के निर्माण कार्य का किया गया निरीक्षण।

भारत संवाद

सुलतानपुर ,मा0 मण्डलायुक्त अयोध्या मण्डल अयोध्या श्री राजेश कुमार का जनपद भ्रमण, ग्राम चौपाल व निरीक्षण कार्यक्रम के दौरान जिलाधिकारी कुमार हर्ष, मुख्य विकास अधिकारी अंकुर कौशिक सहित अन्य अधिकारियों द्वारा पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया गया। तत्पश्चात मा0 आयुक्त महोदय द्वारा निरीक्षण भवन लो0नि0वि0 में गार्ड ऑफ ऑनर लिया गया। मा0 मण्डलायुक्त महोदय द्वारा मा0 जनप्रतिनिग- पूर्व मंत्री/मा0 विधायक सुलतानपुर श्री विनोद सिंह, मा0 विधायक सदर श्री राज प्रसाद उपाध्याय व नगर पालिका अध्यक्ष श्री प्रवीन कुमार अग्रवाल सहित अन्य जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में लो0नि0वि0 सभागार में बैठक आयोजित की गई। उक्त बैठक में मा0 जनप्रतिनिधिगणों द्वारा आगामी त्यौहार के दृष्टिगत तैयारियों- साफ-सफाई, पेयजल, यातायात, विद्युत, जाम की समस्या, पार्किंग आदि के सम्बन्ध में विस्तृत चर्चा की गयी। तत्पश्चात आयुक्त महोदय अयोध्या मण्डल अयोध्या की अध्यक्षता में ग्राम पंचायत केनौरा, वि0ख0 भदैया में ह्यग्राम चौपालह्य का आयोजन जिलाधिकारी, मुख्य विकास अधिकारी, ज्वाइंट मजिस्ट्रेट/एसडीएम लम्भुआ गामिनी सिंगला, प्रशिक्षु आईएएस रिदम आनन्द सहित अन्य जनपद स्तरीय अधिकारियों की उपस्थिति में किया गया। ग्राम चौपाल में उपस्थित लोगों ने आयुक्त महोदय के समक्ष अपनी-अपनी समस्याओं को रखा। आयुक्त महोदय द्वारा सभी संबंधित अधिकारियों को मौके पर ही निस्तारण हेतु निर्देशित किया गया। मा0 आयुक्त महोदय के समक्ष राम मिलन तिवारी, पंकज श्रीवास्तव, राम प्यारी फूला देवी आदि द्वारा अपनी-अपनी समस्याओं को रखा गया। मा0 आयुक्त महोदय द्वारा सभी के संबंधित शिकायतों का मौके पर उपस्थित अधिकारियों से कराया गया। मा0 आयुक्त महोदय द्वारा पेंशन की समस्या से सम्बन्धित शिकायतों का निस्तारण चौपाल स्थल पर लगे कैम्प में कराया गया। उक्त ग्राम चौपाल में प्रधानमंत्री आवास योजना के लाभार्थी, वृद्धावस्था पेंशन, निराश्रित महिला पेंशन, दिव्यांग पेंशन, राशन कार्ड, नालियों की साफ-सफाई, शिक्षा, कृषि, बाल विकास, स्वास्थ्य विभाग, जल जीवन मिशन, राष्ट्रीय आजीविका मिशन आदि के सम्बन्ध में आम जनमानस द्वारा शिकायतें की गयी।

# डीएम ने दिए निदेर्शः स्कूलों में स्वच्छता व गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पर रहे विशेष जोर

**विद्यार्थियों एवं शिक्षकों की उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए नियमित रूप से करें निरीक्षण, बंद पाए जाने पर प्रधानाचार्य होंगे निलंबित**

- 1.16 करोड़ से 90 विद्यालयों के ऊपर से जल्द हटेगी हाईटेंशन लाइन
- आरटीई के तहत शत-प्रतिशत पात्र बच्चों का नामांकन निजी विद्यालयों में सुनिश्चित कराया जाए
- कायाकल्प योजना के अंतर्गत सुधार हो चुके विद्यालयों में व्यवस्थाओं का प्रभावी रखरखाव किया जाए -संजीव रंजन, डीएम

भारत संवाद

अलीगढ़ (सू0वि0): कलैक्ट्रेट सभागार में आयोजित बैठक में जिलाधिकारी संजीव रंजन ने बेसिक शिक्षा एवं समग्र शिक्षा के तहत संचालित योजनाओं की गहन समीक्षा की। बैठक में जिला टास्क फोर्स के सदस्यों को निर्देशित किया गया कि विद्यालयों में विद्यार्थियों एवं शिक्षकों की उपस्थिति सुनिश्चित हो, इसके लिए आवश्यक है कि नियमित रूप से विद्यालयों का निरीक्षण किया जाए। बंद पाए जाने वाले विद्यालयों के प्रधानाचार्यों के विरूद्ध निलंबन की संस्तुति से भी हिचका न जाए। उन्होंने कहा कि बच्चे देश का भविष्य हैं, किसी भी स्थिति में खिलबाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। अधिशासी अभियंता विद्युत ने बताया कि चिन्हित 90 विद्यालयों के ऊपर से गुजर रही हाईटेंशन लाइन को हटाने का कार्य आरंभ किया जाएगा, इसके लिए विभाग को 1.16 करोड़ की धनराशि प्राप्त हो गई है। जिलाधिकारी ने कहा कि कायाकल्प योजना के अंतर्गत सुधार हो चुके विद्यालयों में व्यवस्थाओं का प्रभावी रखरखाव किया जाए। प्रधानाचार्य कार्य की गुणवत्ता से कोई समझौता न करें। जिन विद्यालयों में अभी 19 पैरामीटर पर कार्य अधूरा है, वहां जल्द से जल्द कार्य पूर्ण कर संतृप्तिकरण सुनिश्चित की जाए। विद्यालयों में स्वच्छ वातावरण और बेहतर शैक्षिक माहौल बनाने पर जोर देते हुए डीएम ने नगर निगम, अधिशासी अधिकारियों और डीपीआरओ को आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने खंड शिक्षा अधिकारियों से स्पष्ट कहा कि वे दफ्तरों में बैठने की बजाय नियमित रूप से विद्यालयों का निरीक्षण करें और मौके पर समस्याओं का समाधान कराएं। शिक्षा का अधिकार अधिनियम को लागू कराने में किसी भी तरह की शिथिलता बर्दाश्त नहीं होगी। डीएम ने कहा कि शत-प्रतिशत पात्र बच्चों का नामांकन निजी विद्यालयों में सुनिश्चित किया जाए, अन्यथा संबंधित विद्यालयों पर अर्थदंड की कार्रवाई की जाएगी। साथ ही उन्होंने नामांकन लक्ष्य की पूर्ति को सर्वोच्च प्राथमिकता देने पर बल दिया।

# जिला स्तरीय कराटे प्रतियोगिता का आयोजन

भारत संवाद

सहारनपुर। जिला कराटे संघ सहारनपुर द्वारा मेजर ध्यानचंद के जन्मदिवस के अवसर पर जिला स्तरीय कराटे प्रतियोगिता का आयोजन डॉक्टर भीमराव अंबेडकर स्पोर्ट्स स्टेडियम में संपन्न हुई जिसमें सैकड़ो कराटे खिलाड़ियों ने प्रतिभा किया और अपने-अपने भार वर्ग में गोल्ड सिल्वर मेडल प्राप्त किया कार्यक्रम के समापन में मुख्य अतिथि संजय गर्ग पूर्व विधायक एवं जिला ओलंपिक संघ सहारनपुर के अध्यक्ष ने कराटे खिलाड़ियों को मेडल पहनकर सम्मानित किया एवं अतिथियों को मोमेंटो देकर सम्मानित किया और संजय गर्ग जी ने कहा कि खेल के खिलाड़ियों को खेल में बढ़-चढ़कर भाग लेना चाहिए खेल में खिलाड़ियों का भविष्य सुरक्षित है अब पहले जैसा समय नहीं रहा की खेलोगे कूदोगे तो होगे खराब अब समय आ गया है कि खेलोगे कूदोगे तो बनोगे नवाब। जिला ओलंपिक संघ के सचिन ने सभी कराटे खिलाड़ियों को प्रोत्साहित किया और कहा कि सभी को कराटे जैसी सेल्फ डिफेंस विधा सीखनी चाहिए।इस अवसर पर खेल अधिकारी ने कहा की मैं कराटे खिलाड़ियों की उज्जवल भविष्य की कामना करता हूं और आशा करता हूं कि आगे स्टेट नेशनल इंटरनेशनल में प्रतिभा करके अपने जनपद सहारनपुर का नाम रोशन करेंगे जो अपने गुरु व अपने माता-पिता को सम्मान दिलाएंगे। जिला कराटे संघ सचिव नंदकिशोर एवं अध्यक्ष पुष्कर सिंह पुंडीर ने आए हुए मुख्य अतिथि व तिथियो का धन्यवाद किया एवं खिलाड़ियों बताया कि प्रथम प्रथम खिलाड़ियों में गणेशा योगेश प्रताप सिंह अविका सुनैना पासी अभय पासी जाकिया अल्फिया बानो इल्म अल शिफा जैनब ज्योतिषिका विनायक अंजलि मन्नू रिया निधि साक्षी चांदनी अंशिका अंजू राधिका रिया कामिनी जहीन शिवानी

द्वितीय तन्मय काव्या पटवाल देव आफिया निधि कार्तिक महिमा अल्फिया बानों। आशा व्यक्त की और कहा कि आगे की तैयारी निडरता के साथ करें।

# साइबर फ्राड की धनराशि वापस खाते में डलवायी

भारत संवाद

सहारनपुर। थाना साइबर क्राइम पुलिस ने साइबर फ्रॉड से ठगी गयी राशिन को पुनः पीड़ित के खाते में डलवायी। वादी शेखर त्यागी पुत्र जगनन्दन त्यागी निवासी न्यू दुगार्पुरी कालोनी, खलासी लईन थाना सदर बाजार, सहारनपुर द्वारा 30 सितम्बर 2024 को थाना साइबर क्राइम, सहारनपुर पर उपस्थित आकर एक लिखित तहरीर दी जिसके अनुसार वादी द्वारा अज्ञात व्हाट्स्ऐप ग्रुप से प्राप्त संदिग्ध लिंक का प्रयोग कर डीमेट एकाउन्ट खोलकर स्टॉक ट्रेडिंग हेतु जालसाज के खातों में रुपए 8,70,000 डाल दिये गये थे, जिसके सम्बन्ध में थाना साइबर क्राइम, जनपद सहारनपुर पर मु0अ0सं0 67/2024 अन्तर्गत धारा 420 भादवि व 66 डी आईटी एक्ट पंजीकृत किया गया। एसएसपी ने घटना का संज्ञान लेते हुए उक्क्त पैसे को वापस दिलाने हेतु साइबर क्राइम थाना सहारनपुर को दिशा-निर्देश दिए, जिसके अनुपालन में पुलिस अधीक्षक नगर(नोडल अधिकारी साइबर क्राइम), सहारनपुर व सहायक पुलिस अधीक्षक, साइबर क्राइम के निकट पर्यवेक्षण तथा प्रभारी निरीक्षक साइबर क्राइम थाना के कुशल नेतृत्व में थाना साइबर क्राइम टीम द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए वादी के 1,04,000 रुपए धनराशि विवेचना क्रम में होल्ड करा दी गयी थी जिसको वैधानिक प्रक्रिया पूर्ण करते हुए धारा 503 ठछै के अंतर्गत वादी की समस्त होल्ड धनराशि 1,04,000 रुपए को न्यायालय द्वारा सम्बंधित बैंकों को आदेशित कर पीड़ित के खाते में वापस करा दिया गया है। पुलिस टीम में प्रभारी निरीक्षक संजय कुमार, एसआई मनोज कुमार, मुख्य आरक्षी रोहित कुमार, निशांत तोमर शामिल रहे।

# स्मार्ट सिटी के नाम पर नगर निगम की खुली लूटः कांग्रेस

भारत संवाद

सहारनपुर। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निदेर्शानुसार आज कांग्रेस जिला अध्यक्ष संदीप सिंह राणा व महानगर अध्यक्ष मनीष त्यागी ने जिला कार्यालय में एक प्रेस वार्ता को संबोधित किया, जिसमें प्रदेश में बिगड़ी कानून व्यवस्था के लिए भाजपा की योगी सरकार को जिम्मेदार ठहराया। कांग्रेस जिला अध्यक्ष संदीप सिंह राणा ने कहा कि प्रतिदिन बलात्कार और हत्याओं की घटनाएं आम बात हो गई ।पूरे प्रदेश में सरकार ने नगर निगमों में जी आई सर्वे कराकर बेहिसाब टैक्स तो लोगों से वसूलना शुरू कर दिया, लेकिन सुविधाओं के नाम पर किसी भी कोई ध्यान नहीं ।महानगर के कुछ क्षेत्रों में तो सफाई हेतु कोई व्यवस्था नहीं, पूरे शहर में आवारा कुत्तों का साम्राज्य हो गया है और ऐसा लगता है कि हमारा शहर जैसे कोई ष्श्वान अभ्यारण्यष बन गया हो, लेकिन निगम का इस तरफ कोई ध्यान नहीं ।महानगर के नागरिकों को स्मार्ट सिटी के नाम पर लूटा जा रहा है ।महानगर अध्यक्ष मनीष त्यागी ने कहा की रामपुर और सरसावा क्षेत्रों में एक दलित की हुई हत्या की घटना, भाजपा शासन में बढ़े अपराध का प्रत्यक्ष प्रमाण है । उन्होंने जी आई सर्वे के बाद नागरिकों पर थोपे गए बेतहाशा टैक्स को सरकारी लूट का एक जरिया बताया, जिससे भाजपा को समर्थन करने वाले नागरिक भी स्वयं को ठगा सा महसूस कर रहे हैं ।प्रेस वार्ता में पूर्व प्रदेश सचिव अशोक सैनी, कांग्रेस जिला प्रवक्ता गणेश दत्त शर्मा, संगठन प्रभारी जिला उपाध्यक्ष नितिन शर्मा, जिला उपाध्यक्ष सोनू पठान, वरिष्ठ महानगर उपाध्यक्ष अमरदीप जैन, जिला कार्यालय प्रभारी नसीब खान, प्रभजीत सिंह, सागर राणा आदि मौजूद रहे ।

# यूरो किड्स स्कूल में एक दंत चिकित्सा शिविर का आयोजन

भारत संवाद

सहारनपुर। यूरो किड्स स्कूल में एक दंत चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती गजाला खान एवं उप प्रधानाचार्या श्रीमती रितिका वालिया द्वारा दीप प्रज्वलित करके किया गया। इस कार्यक्रम में 5 वर्ष और उससे कम के लगभग 60 बच्चों को जीवन में अच्छी आदतों जैसे हाथ धोना, दांत साफ करना, कचरा सही समय पर सही जगह निस्तारित करने के लाभ एवं आवश्यकता से अवगत कराया गया। साथ ही बच्चों के दांतों की जांच भी की गई जिससे कोई भी हानि या समस्या पाए जाने पर समय रहते उसकी रोकथाम और इलाज हो सके। जिले के जाने माने दंत चिकित्सक एवं बाजोरिया रोड स्थित प्रसिद्ध मॉडर्न डेंटल केयर के संचालक डॉक्टर अक्षय गुप्ता एवं डॉक्टर दीपा तोमर द्वारा लगाया गया। इस कैम्प में विशेष रूप से बच्चों की समझ एवं मनोरंजन को ध्यान में रखते हुए कार्टून फिल्म और गानों के माध्यम से उनको जागरूक कराया गया जिससे सीखने के साथ साथ हर्षोल्लास के साथ बिना डरे हुए सीख सके साथ ही अपने दाँतों की जांच सफलतापूर्वक करा पाए।

स्कूल की प्रधानाचार्या एवं संस्थापक श्रीमती गजाला खान ने हमारे संवाददाता से बात करते हुए बताया कि बच्चों के लिए विद्यालय केवल एक शिक्षा का माध्यम ही नहीं ब्लकि उनकी सेहत, व्यावहार खुशी का भी माध्यम है। बच्चों को उपहार स्वरूप टूथपेस्ट,माउथ फ्रेशनर इत्यादि का वितरण करके शिविर का समापन किया गया। इस कार्यक्रम में स्कूल के अन्य अध्यापिका मिस रिता वालिया, वैशाली दुग्गल,अलीना हैरिस,बुशरा अंसारी ने भी बढ़ चढ के हिस्सा लिया।

# भाजपाइयों ने फूंका राहुल गांधी का पुतला, एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

भारत संवाद

सहारनपुर(बेहट)। बिहार के दरभंगा में आयोजित कार्यक्रम के दौरान कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा देश के प्रधानमंत्री और उनकी माता पर की गई अशोभनीय टिप्पणी से भाजपा कार्यकताओं में रोष है। भाजपा कार्यकर्ता शुक्रवार को बेहट तहसील मुख्यालय पहुंचे जहां कांग्रेस नेता राहुल गांधी का पुतला फूंका और जमकर नारेबाजी की। इसके बाद महामहिम राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन एसडीएम बेहट को सौंपकर राहुल गांधी की लोकसभा सदस्यता रद्द किए जाने और विपक्ष के नेता पद से भी बर्खास्त किए जाने की मांग की। इस दौरान पूर्व जिलाध्यक्ष बिजेंद्र कश्यप, डीसीडीएफ चेयरमैन सोनेंद्र राणा, जिला पंचायत सदस्य रामू चैधरी, मुजफ्फराबाद ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि योगेश पुंडीर, जिला उपाध्यक्ष अनिल सिंघल, देवेंद्र राणा, सचिन गर्ग, मंडल अध्यक्ष बिजेंद्र सैनी, हंसराज गौतम, सभासद सत्य प्रकाश रोहिला, मिर्जा फजलुर्रहमान, मुख्तार आलम आदि मौजूद रहे।

भारत संवाद परिवार 1-संरक्षक-भारत संवाद डॉ राम किशोर शर्मा पूर्व विभागाध्यक्ष इलाहाबाद विश्व विद्यालय कबीर सम्मान 2021 से सम्मानित , 2-संरक्षक-भारत संवाद, आचार्य पं0 पृथ्वीनाथ पाण्डेय भाषाविज्ञानी एंव मीडियाध्ययन विशेषज्ञ, 3-संरक्षक-भारत संवाद गजानन महतपुरकर , (सुपरिचित कवि, लेखक, गीतकार, मंच संचालक, स्वतंत्र पत्रकार एवं सदस्य, महाराष्ट्र राज्य हिंदी साहित्य अकादमी तथा पश्चिम रेलवे, चर्चगेट के वरिष्ठ जनसम्पर्क अधिकारी पद से सेवानिवृत्त ), 4-कला एवं मनोरंजन संपादक (भारत संवाद) , जगन्नाथ तिवारी, 5-उपसंपादक (भारत संवाद) , माता प्रसाद शर्मा, 6-प्रभारी प्रयागराज संस्करण आशीष कुमार शर्मा

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक अरविन्द कुमार शर्मा द्वारा रमा प्रिंटिंग प्रेस 53/25/1-ए बेली रोड नया कटरा इलाहाबाद से मुद्रित एंव ज्ञान गंगा कालोनी सराय तकी झूंसी प्रयागराज से प्रकाशित।
संपादक- अरविन्द कुमार शर्मा ।फोन नं० .05324012522 मो०-9455137214,9935750291,E mail-bharatsamvad2009@gmail.com RNI No-UPHIN/2009/30939
(किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र इलाहाबाद उच्च न्यायालय होगा)।

# क्या चुकंदर खाने से बीपी कंट्रोल होता है?

चुकंदर एक बेहतरीन खाद्य पदार्थ है,अक्सर हम इसे सलाद के तौर पर खाते हैं, लेकिन क्या आपको मालूम है कि इससे बीपी भी कुछ हद तक कंट्रोल हो सकती है?
हाई ब्लड प्रेशर एक आम सी स्वास्थ्य समस्या है लेकिन अगर इसे कंट्रोल नहीं किया जाए तो इससे आपको गंभीर नुकसान हो सकता है दरअसल उच्च रक्तचाप दिल से जुड़ी बीमारियों का एक प्रमुख जोखिम कारक है जो दिल के दौरे और स्ट्रोक का कारण बन सकता है। इसे कंट्रोल करने के लिए मेडिकेशन की जरूरत होती है हालांकि बीपी को नेचुरल तौर पर कंट्रोल करने के लिए कुछ ऐसे खाद्य पदार्थों का अक्सर नाम लिया जाता। इन खाद्य पदार्थों में से एक है चुकंदर। आइए जानते हैं क्या चुकंदर का जूस पीने से या इसे साबुत खाने से बीपी कंट्रोल होता है या नहीं?
ब्रिटिश हार्ट फाउंडेशन के एक स्टडी के मुताबिक उच्च रक्तचाप के जो मरीज रोज 250 पर लीटर चुकंदर का जूस पीते थे उनके रक्तचाप के स्तर सामान्य सीमा में आ गए। दरअसल चुकंदर में एक प्रकार का रासायनिक तत्व होता है जिसे नाइट्रेट कहते हैं। यह नाइट्रेट रक्तचाप को कम करने में मदद कर सकते हैं। नाइट्रेट शरीर में नाइट्रिक ऑक्साइड में बदल जाता है जो रक्त वाहिकाओं को चौड़ा करने में मदद करता है। इससे रक्त का प्रवाह बेहतर होता है और रक्तचाप में कमी आती है। यह सूजन को भी काम करने में मदद करता है।
इस रिसर्च में बताया गया है कि नाइट्रेट का सेवन रक्तचाप को कम करने में प्रभावी साबित हो सकता है और सबसे अच्छी बात यह है कि नाइट्रेट हम चुकंदर के साथ और भी हरी पत्तेदार सब्जियों से प्राप्त कर सकते हैं। हालांकि या किसी चिकित्सा इलाज का विकल्प नहीं हो सकता है,अगर किसी व्यक्ति को हाई बीपी की परेशानी है तो हमेशा इलाज और दवाओं के लिए अपने डॉक्टर से चर्चा करें।

प्रेग्नेंसी में हम अपना बहुत ख्याल रखते हैं, लेकिन इस दौरान कहीं गलती से भी अगर कोई केमिकल आपके शरीर में आ जाता है, तो वह कितना नुकसानदायक हो सकता है इसके बारे में आपको पता होगा।

# प्रेग्नेंसी के दौरान कभी इस्तेमाल ना करें इन इंग्रीडिएंट्स वाले ब्यूटी प्रोडक्ट्स

प्रेग्नेंसी के दौरान महिलाओं को ना जाने कितनी हिदायत मिलती हैं। प्रेग्नेंसी वैसे तो किसी भी महिला के जीवन का एक अलग अनुभव होता है, पर इस दौरान कई सारी समस्याएं भी उन्हें घेर लेती हैं। उन्हें हर चीज के लिए परफेक्ट होना चाहिए। प्रेग्नेंसी के दौरान महिलाओं की स्किन पर भी कई तरह की दिक्कतें आती हैं। ऐसे में मन करता है कि तरह-तरह के ब्यूटी प्रोडक्ट्स ट्राई कर लिए जाएं। प्रेग्नेंसी के दौरान महिलाओं को जिन चीजों से बचना होता है उनमें से एक केमिकल्स भी हैं। अलग-अलग ब्यूटी प्रोडक्ट्स चाहे जो भी दावा करते हों, लेकिन इनमें कई तरह के केमिकल्स होते हैं।

## रेटिनॉल्स को करें अवॉइड

डॉक्टर दिव्या के मुताबिक, रेटिन-ए या रेटिनॉल में विटामिन ए होता है। विटामिन-ए शिशु के विकास के लिए जरूरी होता है, लेकिन इसकी अधिक मात्रा से बेबी का सिर, दिल, दिमाग और रीढ़ की हड्डी बनने में तकलीफ हो सकती है। कुछ एक्ने मेडिसिन भी होती हैं जिन्हें अवॉइड करना चाहिए। बेहतर है कि इसमें से कुछ यूज करने से पहले आप डॉक्टर से संपर्क कर लें।

## सैलिसिलिक एसिड और बेंजोइल पेरोक्साइड को करें अवॉइड

डॉक्टर का मानना है कि इसके हाई डोज जन्म संबंधित विकार दे सकता है। इससे हार्मोन्स में गड़बड़ी भी हो सकती है। इसके अलावा, एंड्रोजेन प्रोडक्शन भी बढ़ सकता है जिससे प्रेग्नेंसी के दौरान एक्ने हो सकते हैं।

## स्किन लाइटनिंग प्रोडक्ट्स को करें अवॉइड

कई बार प्रेग्नेंसी के दौरान महिलाओं को पिगमेंटेशन या मेलास्मा जैसी समस्याएं महसूस होती हैं। हालांकि, यह समय के साथ-साथ चली जाती हैं, लेकिन फिर भी महिलाएं स्किन लाइटनिंग प्रोडक्ट्स यूज कर लेती हैं। यह सही नहीं होते। इसमें हाइड्रोक्विनोन जैसे केमिकल्स होते हैं जिससे थोड़ी दिक्कतें महसूस हो सकती हैं।

## केमिकल सनस्क्रीन को करें अवॉइड

सनस्क्रीन लगाना वैसे तो सभी के लिए जरूरी है, लेकिन प्रेग्नेंट महिलाओं को केमिकल वाली सनस्क्रीन से दूर रहना चाहिए। केमिकल सनस्क्रीन में मौजूद ऑक्सीबेन्जोन और आवोबेन्जोन हार्मोन्स को लेकर समस्याएं पैदा कर सकते हैं। आप नेचुरल और मिनरल सनस्क्रीन का इस्तेमाल कर सकती हैं, जिनमें जिंक ऑक्साइड और टाइटेनियम ऑक्साइड जैसे इंग्रीडिएंट्स हों।
बहुत ज्यादा खुशबू वाले प्रोडक्ट्स को करें अवॉइड
भले ही वो कोई ब्यूटी प्रोडक्ट हो या एसेंशियल ऑयल प्रेग्नेंट महिलाओं के लिए ज्यादा खुशबू वाले प्रोडक्ट्स सही नहीं हैं। कई तरह की खुशबू महिलाओं के लिए कॉन्ट्रैक्शंस और माइग्रेन का कारण बन सकती हैं।
यह हर महिला के लिए अलग अनुभव हो सकता है। कुछ को खुशबू अच्छी लग सकती है और कुछ के लिए यह बहुत परेशानी पैदा कर सकता है।

## पैथालेट्स को करें अवॉइड

आप ऐसे प्रोडक्ट्स जिनमें पैथालेट्स इंग्रीडिएंट्स हों उन्हें अवॉइड करें। डॉक्टर के मुताबिक, इनमें एंडोक्राइन समस्याएं पैदा करने की शक्ति होती है जिससे ना सिर्फ मां, बल्कि शिशु को भी खतरा हो सकता है।

## किन प्रोडक्ट्स को कर सकते हैं यूज?

- डॉक्टर के मुताबिक, लैक्टिक एसिड और ग्लाइकोलिक एसिड से भरपूर प्रोडक्ट्स को यूज किया जा सकता है।
- इसके साथ, आप विटामिन-सी और नियासिनामाइड को भी इस्तेमाल कर सकती हैं।
- हयालूरोनिक एसिड का इस्तेमाल भी किया जा सकता है। यह स्किन को हाइड्रेशन देगा।
- एलोवेरा स्किन के लिए अच्छा होगा।
- महिलाएं नारियल के तेल का इस्तेमाल भी कर सकती हैं।
- फेस वॉश के तौर पर साधारण क्लींजर्स का इस्तेमाल किया जा सकता है।
- आप सेरामाइड से भरपूर मॉइश्चराइजर का इस्तेमाल भी कर सकती हैं।
- प्रेग्नेंसी के दौरान कौन सा प्रोडक्ट इस्तेमाल करना चाहिए और कौन सा नहीं इसके लिए आप अपने डॉक्टर से कंसल्ट जरूर करें।

# थायराइड को मैनेज कर सकते हैं ये न्यूट्रिएंट्स, जरूर करें डाइट में शामिल

**थायराइड को मैनेज करने में हेल्दी डाइट की अहम भूमिका है। थायराइड हार्मोन शरीर के कई फंक्शन्स के लिए जरूरी है। इसका लेवल कम या ज्यादा होने पर सेहत पर इसका असर होता है।**

हम सभी सेहतमंद रहना चाहते हैं। हेल्दी रहने के लिए, शरीर में कई विटामिन्स, मिनरल्स और हार्मोन्स का लेवल सही होना जरूरी है। शरीर में जरूरी न्यूट्रिएंट्स की कमी होने पर या हार्मोनल उतार-चढ़ाव होने पर इसका असर हमारी सेहत पर होता है। थायराइड ग्लैंड से जब थायराइड हार्मोन कम या ज्यादा मात्रा में रिलीज होता है, तो इसके लक्षण साफ नजर आने लगते हैं। आज के समय में गलत खान-पान और अनियमित जीवनशैली के चलते, थायराइड की दिक्कत बढ़ती जा रही है। खासकर, महिलाओं में ये समस्या ज्यादा होती है। थायराइड को मैनेज करने के लिए,डाइट में कई न्यूट्रिएंट्स का शामिल होना जरूरी है। यहां हम आपको कुछ ऐसे ही न्यूट्रिएंट्स के बारे में बता रहे हैं। इन्हें डाइट में शामिल करने से थायराइड को मैनेज करने में मदद मिलेगी।
थायराइड हार्मोन को मैनेज करने के लिए, आयरन बहुत जरूरी है। जब शरीर में आयरन की कमी होती है, तो थायराइड ग्रंथि की काम करने की क्षमता कम हो जाती है। डाइट में आयरन रिच फूड्स को शामिल करें।
कैल्शियम भी थायराइड के लिए एक जरूरी मिनरल है। इसकी कमी से भी थायराइड की दिक्कत हो सकती है। वहीं, अगर आपको थायराइड है, तो उसे मैनेज करने के लिए भी कैल्शियम लेवल का सही होना जरूरी है।
विटामिन-सी शरीर के लिए एक जरूरी न्यूट्रिएंट है। यह इम्यूनिटी को मजबूत करता है। विटामिन सी जैसे एंटीऑक्सीडेंट थायरॉयड ग्लैंड को सही तरह से फंक्शन करने में मदद करते हैं।
मैग्नीशियम, थायराइड ग्लैंड को सही मात्रा में थायराइड हार्मोन का उत्पादन करने में मदद करता है। यह मूड को सुधारने और स्ट्रेस को कम करने में भी सहायक है।
सेलेनियम, ञ4 को सक्रिय करने में सहायता करता है। यह थायराइड लेवल को मैनेज करने के लिए बहुत जरूरी है।
जिंक की कमी, थायराइड ग्रंथि के सही से काम न करने का कारण बन सकती है। इसलिए, डाइट में जिंक से भरपूर चीजों को शामिल करें।

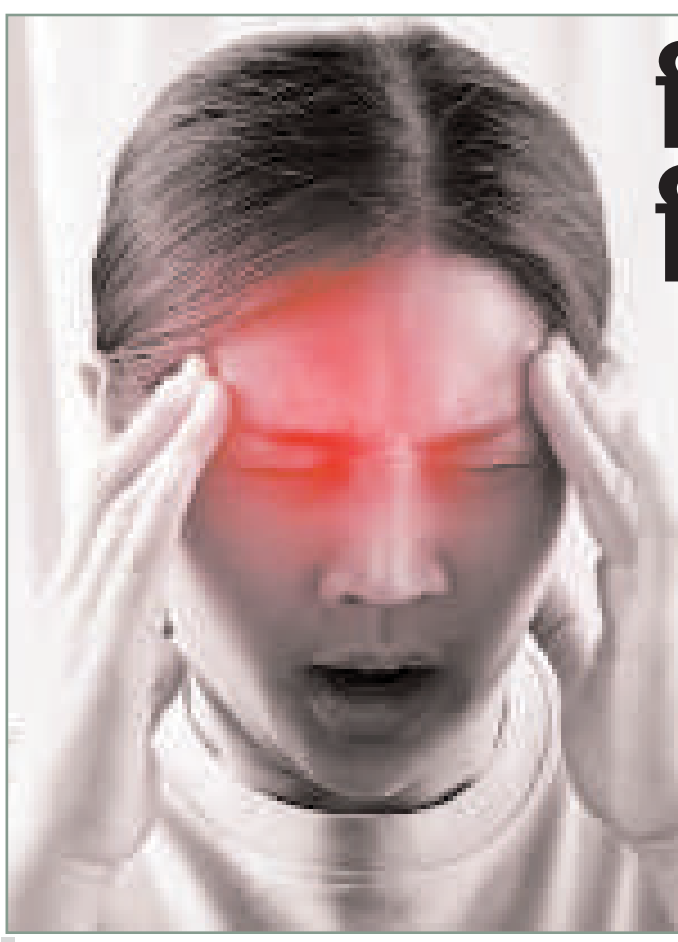

# सिरदर्द से हैं परेशान तो बनाकर पिएं ये आयुर्वेदिक चाय

दिन भर की थकान को खत्म करना हो या फिर सुबह-सुबह उठकर काम पर जाने से पहले होने वाला सिरदर्द, हमेशा दवा लेना सही ऑप्शन नहीं है। कई बार हमें यह समझ नहीं आता कि सिरदर्द हो क्यों रहा है और हम बिना सोचे-समझे कोई ऐसा उपाय कर लेते हैं जिससे समस्या और बढ़ जाती है। अगर सिरदर्द बार-बार होता है और आपके लिए यह क्रॉनिक हो गया है, तो बेहतर है कि सिरदर्द को खत्म करने का कोई तरीका अपनाया जाए। आयुर्वेदिक डॉक्टर के मुताबिक, हाई ब्लड प्रेशर, हैंगओवर, बुखार, समय पर चाय ना मिलना, स्ट्रेस बढ़ना, मौसम के कारण सिरदर्द होना, इन्सोम्निया, माइग्रेन आदि के कारण हमेशा सिरदर्द बढ़ जाता है। ऐसे में बेहतर है कि आयुर्वेदिक नुस्खे अपनाए जाएं। कई बार लोग कैफीन एडिक्शन के कारण भी सिरदर्द का शिकार हो जाते हैं। उन्होंने बताया कि उनके मरीजों को एक स्पेशल आयुर्वेदिक चाय से बहुत राहत मिली है।

### किन चीजों के लिए मददगार है यह चाय?

डॉक्टर दीक्षा के मुताबिक, अगर किसी को माइग्रेन की समस्या है, हार्मोनल इम्बैलेंस हो रहा है, हैंगओवर है, डायबिटीज की समस्या है, इंसुलिन रेजिस्टेंस हो रहा है, ब्लोटिंग से परेशान है, फूड क्रेविंग्स बहुत ज्यादा हो रही है, तो इस चाय का असर काफी ज्यादा होगा। यह धीरे-धीरे आपकी इम्यूनिटी को भी बेहतर बनाएगी।

### कैसे बनानी है यह आयुर्वेदिक चाय?

**सामग्री** - ◗ 1 ग्लास पानी ◗ 1/2 छोटा चम्मच अजवाइन ◗ 1 क्रश की हुई हरी इलायची ◗ 1 बड़ा चम्मच धनिया के बीज ◗ 5 पुदीने की पत्तियां
इसे तीन मिनट के लिए आप उबालें और उसके बाद छानकर सिप-सिप कर पिएं। इसे बहुत ज्यादा गर्म नहीं पीना है आप गुनगुनी चाय पी सकती हैं। इससे सिरदर्द की समस्या में बहुत राहत मिलेगी।

### कौन सा इंग्रीडिएंट करेगा किस समस्या में मदद?

**अजवाइन** - यह ब्लोटिंग, अपच, कफ, सर्दी, डायबिटीज और अस्थमा के लिए मददगार साबित हो सकती है।
**धनिया के बीज** - यह मेटाबॉलिज्म के लिए बहुत अच्छे होते हैं। इसी के साथ, माइग्रेन और अन्य तरह के क्रॉनिक पेन की समस्याओं को यह खत्म कर सकते हैं। हार्मोनल बैलेंस और थायराइड को ठीक करने के लिए भी इनका इस्तेमाल होता है।
**पुदीने की पत्तियां** - अगर आपको चाय का एडिक्शन है, मूड स्विंग्स बहुत ज्यादा होते हैं, इन्सोम्निया की समस्या है, एसिडिटी है, माइग्रेन है, कोलेस्ट्रॉल से परेशान हैं, तो पुदीने की पत्तियां मददगार साबित हो सकती हैं।
**इलायची** - यह मोशन सिकनेस, जी मिचलाने की समस्या, माइग्रेन और ब्लड प्रेशर की समस्या वाले लोगों के लिए अच्छी साबित होती है। यह स्किन और बालों के लिए भी अच्छी है।
आम चाय की जगह आप सुबह उठकर इस चाय को पी सकती हैं। अगर दिन में कभी सिरदर्द हो रहा है, तो भी इसे चुनें।
डाइट में कोई भी मुख्य बदलाव करने से पहले आपको हमेशा डॉक्टर से इसके बारे में सलाह लेनी चाहिए। अगर आपको इस तरह की परेशानी हो रही है, तो आप पहले डॉक्टर के पास जाएं और अपनी हेल्थ हिस्ट्री शेयर करें। हो सकता है कि कोई एक चीज किसी को सूट कर जाए और दूसरे इंसान के लिए वो नुकसानदेह हो जाए।

# रूसी हमले में यूक्रेन का सबसे बड़ा जहाज डूबा

## पहली बार समुद्री ड्रोन से हमला किया, 10 साल पहले जासूसी के लिए बनाया गया था

एजेंसी

मॉस्को, यूक्रेनी नेवी का सबसे बड़ा जहाज सिम्फेरोपोल गुरुवार को रूस के समुद्री ड्रोन हमले में डूब गया। यह जानकारी स्पूतनिक न्यूज एजेंसी ने रूसी रक्षा मंत्रालय के हवाले से दी है। यह जहाज पिछले 10 साल में यूक्रेन का सबसे बड़ा जहाज था। यह लैगून-क्लास जहाज (तटीय इलाके का जहाज) था, जिसे जासूसी के लिए बनाया गया था। ड्रोन हमला यूक्रेन के ओडेसा इलाके में डेन्यूब नदी के पास हुआ। रिपोर्ट में कहा गया है कि यह पहली बार है जब रूस ने समुद्री ड्रोन से यूक्रेन के जहाज को तबाह किया। एक ड्रोन एक्सपर्ट्स ने इसे रूस की बड़ी कामयाबी बताया है। यूक्रेन ने भी जहाज पर हमले की पुष्टि की है। सिम्फेरोपोल जहाज को 2019 में लॉन्च हुआ था और 2021 में इसे यूक्रेनी नौसेना में शामिल किया गया था।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, 2014 के बाद यूक्रेन की तरफ से लॉन्च किया गया यह सबसे बड़ा जहाज था। यूक्रेनी नौसेना के मुताबिक, इस हमले में एक क्रू मेंबर की मौत हो गई, जबकि कई अन्य घायल हुए। प्रवक्ता ने कहा- हमले के बाद हालात संभालने के कोशिश जारी हैं। जहाज के ज्यादातर क्रू सुरक्षित हैं, लेकिन कुछ लापता लोगों की तलाश जारी है। रूस ने गुरुवार सुबह यूक्रेन की राजधानी कीव पर भी बड़ा हवाई हमला किया। इस हमले में 14 लोग मारे गए और 48 अन्य घायल हो गए। लोकल अधिकारियों ने मीडिया को बताया कि हमले में शहर सेंट्रल इलाके को निशाना बनाया गया। यह हमला तब हुआ जब अमेरिका की अगुआई में शांति की कोशिशें चल रही हैं। यूक्रेन की एयरफोर्स के मुताबिक, रूस ने पूरे देश में 598 ड्रोन और 31 मिसाइलें दागीं। मरने वालों में 2, 14 और 17 साल के तीन बच्चे शामिल हैं। मलबे में फंसे लोगों को बचाने का काम जारी है। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने एक्स एक्स पर लिखा- रूस बातचीत के बजाय मिसाइलों का रास्ता चुन रहा है।

दुनिया को शांति के लिए कदम उठाने चाहिए। रूस के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि उन्हें सभी ठिकानों पर सटीक हमले किए। इस हमले में किन्झाल मिसाइलें और ड्रोन का इस्तेमाल हुआ। रूस ने यूक्रेन के सैन्य ठिकानों, एयरपोर्ट्स और एक टोही जहाज को निशाना बनाने का दावा किया था। साथ ही, रूस ने पूर्वी यूक्रेन के नेलिपिवका गांव पर कब्जा करने की बात भी कही। इस हमले में यूरोपीय यूनियन (ईयू) के दूतावास की इमारत को भी नुकसान पहुंचा। ईयू की अध्यक्ष उसुर्ला वॉन डेर ने बताया कि उनके कर्मचारी सुरक्षित हैं।

उन्होंने एक्स पर लिखा- रूस ने रातभर बमबारी कर मासूमों की जान ली और कई पब्लिक प्रॉपर्टी को तबाह कर दिया।

# पाकिस्तान मंत्री बोले- भारत पानी को हथियार बना रहा

## जानबूझकर पानी छोड़ा, जिससे बाढ़ आई; अब तक 750 से ज्यादा की मौत

एजेंसी

इस्लामाबाद, पाकिस्तान सरकार के मंत्री अहसान इकबाल ने आरोप लगाया कि भारत पानी को हथियार की तरह इस्तेमाल कर रहा है। उन्होंने कहा कि भारत ने अपने बांधों से जानबूझकर पानी छोड़ा, जिससे पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में भयंकर बाढ़ आ गई। इकबाल ने बुधवार को एक टीवी चैनल से कहा- भारत ने रावी, सतलुज और चिनाब नदियों में अचानक पानी छोड़ा। इससे बाढ़ आई, जिसकी वजह से गुजरांवाला डिवीजन में 7 लोगों की मौत हो गई और हजारों एकड़ जमीन डूब गई। अल जजीरा की रिपोर्ट के मुताबिक, पाकिस्तान में इस साल से जून से अब तक बाढ़ और लैंडस्लाइड की वजह से 197 बच्चों समेत करीब 776 लोगों की मौत हो चुकी है और 993 घायल हुए हैं। जबकि 4000 से ज्यादा घर डैमेज हुए हैं। इकबाल ने एक अन्य वीडियो में कहा कि भारत की तरफ से पानी छोड़ना सबसे खराब हमला है। भारत नदियों में पानी रोकता है और फिर अचानक बांध से पानी छोड़ देता है, जिससे लोगों की जान और माल खतरे में पड़ जाते हैं। पानी जैसे मुद्दे को राजनीति से अलग रखना चाहिए। उन्होंने भारत पर यह भी आरोप लगाया कि उसने समय पर पानी छोड़ने की जानकारी पाकिस्तान को नहीं दी, जो बहुत गलत है। पाकिस्तान की नेशनल डिजास्टर मैनेजमेंट अथॉरिटी (एनडीएमए) ने सिंध प्रांत में अलर्ट जारी किया है कि सरकार वहां से सिंधु नदी और उसकी सहायक नदियों के किनारे बसे गांवों और निचले इलाकों से लोगों को सुरक्षित ठिकानों पर ले जाए। वहीं, पंजाब की मुख्यमंत्री मरियम नवाज ने अधिकारियों को राहत और बचाव कार्य तेज करने के आदेश दिए हैं। उन्होंने कहा कि नुकसान का हिसाब रखा जाए और लोगों को बाढ़ वाले इलाकों में जाने से रोका जाए। भारत ने जम्मू-कश्मीर की तवी नदी में बाढ़ के हालात को देखते हुए 4 दिन पहले ही मानवीय आधार पर पाकिस्तान को इसकी जानकारी दी थी। भारतीय विदेश मंत्रालय ने बताया था कि यह कदम पूरी तरह से मानवीय सहायता के मकसद से उठाया गया है। इस्लामाबाद में भारतीय हाई कमीशन ने रविवार को पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय को बाढ़ की जानकारी दी थी। यह पहला मौका था जब इस तरह की जानकारी हाई कमीशन के जरिए साझा की गई थी।



# ट्रम्प सरकार की शिकागो में सेना तैनात करने की धमकी

## कहा- दिल्ली से 15 गुना ज्यादा मर्डर हुए, कड़े कदम उठाना जरूरी

एजेंसी

वॉशिंगटन डीसी, ट्रम्प प्रशासन ने वॉशिंगटन डीसी और लॉस एंजिलिस में नेशनल गार्ड तैनात करने के बाद अब शिकागो में भी ऐसा करने की धमकी दी है। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने गुरुवार को एक प्रेस ब्रीफिंग में कहा कि शिकागो में हिंसा की स्थिति बहुत गंभीर है। उन्होंने कहा कि शिकागो में हत्या की दर नई दिल्ली की तुलना में 15 गुना ज्यादा है। शहर की बेहतरी के लिए कड़े कदम उठाना जरूरी है। शिकागो के मेयर ब्रैंडन जॉनसन ने शहर में नेशनल गार्ड के तैनाती की खबरों पर कड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति अपने राजनीतिक मकसद को पूरा करने के लिए ऐसे कदम उठा रहे हैं। लेविट ने यह आरोप भी लगाया कि डेमोक्रेट शासित राज्यों की नीतियां अपराध को बढ़ावा देती हैं, जबकि राष्ट्रपति ट्रम्प अपराध को रोकने के लिए सख्त कदम चाहते हैं। लेविट ने शिकागो के हालिया अपराधिक रिकॉर्ड भी साझा किए। इसके मुताबिक 2025 में अब तक शिकागो में कुल 147,899 केस दर्ज किए गए हैं और इनमें से केवल 16 फीसदी मामलों में गिरफ्तारी हुई है। ट्रम्प के राष्ट्रपति पद संभालने के बाद से इलिनॉय में 1,400 प्रवासियों की गिरफ्तारी हुई है। इसमें से 1000 शिकागो से हैं। लेविट ने यह भी कहा कि शिकागो में लॉस एंजिलिस और न्यूयॉर्क की तुलना में अधिक अवैध हथियार बरामद किए गए हैं और बाइक चोरी के मामले 2021 की तुलना में दोगुना बढ़ गए हैं। शिकागो, इलिनॉय राज्य का सबसे बड़ा शहर है। लेविट ने कहा कि इलिनॉय के गवर्नर जेबी प्रित्जकर ने अपराध से निपटने के लिए कड़े कदम नहीं उठाए हैं। राष्ट्रपति ट्रम्प ने वॉशिंगटन डीसी में 11 अगस्त 2025 को नेशनल गार्ड की तैनाती की थी। इसके तहत उन्होंने 800 सैनिकों वहां भेजा। इससे पहले जून में ट्रम्प सरकार ने लॉस एंजिलिस में लगभग 4,000 नेशनल गार्ड सैनिक और 700 मैरीन्स को तैनात किया था। ट्रम्प ने वॉशिंगटन डीसी में नेशनल गार्ड तैनात करने का कारण वहां बढ़ती हिंसा को जिम्मेदार बताया था। उन्होंने कहा था कि राजधानी पर हिंसक गिरोहों और अपराधियों का प्रभाव बढ़ रहा है और नेशनल गार्ड की मदद से कानून-व्यवस्था बहाल की जा सकेगी। ट्रम्प 52 साल पुराने कानून के तहत शहरों में नेशनल गार्ड की तैनाती कर रहे हैं। इस कानून का नाम डिस्ट्रिक्ट ऑफ कोलंबिया होम रूल एक्ट है। इसके तहत नेशनल गार्ड शहर के प्रशासन पर नियंत्रण कर सकता है; यह एक्ट, प्रशासन के मुताबिक, इमरजेंसी की हालत में राष्ट्रपति को शहर की पुलिस के नियंत्रण से जुड़ी कुछ शक्तियां देता है। (यूएस इतिहास में यह तरीका 2020 के प्रदर्शनों और 2021 के कैपिटल हमले के दौरान भी इस्तेमाल हो चुका है।)



# दावा- जिनपिंग की सीक्रेट चिट्ठी से सुधरे भारत-चीन रिश्ते

## राष्ट्रपति मुर्मू को लिखा- हम ट्रम्प के टैरिफ से परेशान; फिर तय हुआ मोदी का चीन दौरा

एजेंसी

नई दिल्ली/बीजिंग, चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को एक चिट्ठी लिखी थी। इसमें उन्होंने अमेरिका-भारत सौदों से चीन के हितों को हो सकने वाले नुकसान पर चिंता जताई थी। यह दावा ब्लूमबर्ग की एक रिपोर्ट में किया गया है। दरअसल, मार्च में जब अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प चीन के खिलाफ अपने व्यापार युद्ध को और तेज कर रहे थे, तभी बीजिंग ने भारत से गुपचुप तरीके से संपर्क साधना शुरू कर दिया था।

चिट्ठी के जरिए उन्होंने दोनों देशों के संबंधों में सुधार की संभावनाएं टटोली थीं। इसके बाद ही दोनों देशों के संबंध बेहतर होने शुरू हुए। इसके कुछ महीने बाद मोदी के चीन जाने का प्लान बना। रिपोर्ट में एक भारतीय अधिकारी के हवाले से दावा किया गया है कि यह चिट्ठी पीएम मोदी तक भी पहुंचाई गई थी, ताकि वे इस बात का आकलन कर सकें कि रिश्तों को बेहतर बनाने की कितनी संभावनाएं हैं। चिट्ठी में चीन ने खास तौर पर इस चिंता को जताया था कि भारत और अमेरिका के बीच होने वाला कोई भी समझौता चीन के हितों को नुकसान पहुंचा सकता है। इसमें में यह भी लिखा गया था कि बीजिंग की ओर से संबंध सुधारने की कोशिशों का नेतृत्व एक प्रांतीय अधिकारी करेगा। ब्लूमबर्ग का कहना है कि जून तक भारत ने जिनपिंग की चिट्ठी का कोई ठोस जवाब नहीं दिया था, लेकिन तब हालात तेजी से बदले भारत और अमेरिका के बीच व्यापारिक बातचीत विवादों में फंस गई। मैगजीन ने इंटरनेशनल एक्सपर्ट्स के हवाले से बताया कि भारत खास तौर पर दो बातों से नाराज था। पहले तो ट्रम्प ने दावा किया कि उन्होंने भारत-पाकिस्तान में सीजफायर कराया, जिसे भारत ने पूरी तरह से खारिज कर दिया था। भारत की स्थिति को कमजोर करने की कोशिशों से मोदी सरकार पहले ही नाराज थी,

# आलोचना करें, लेकिन मर्यादा न लांघें...

## पीएम मोदी के खिलाफ अभद्र भाषा पर भड़के असदुद्दीन ओवैसी

**ओवैसी ने कहा कि प्रधानमंत्री की आलोचना करें, लेकिन एक बात याद रखें कि अगर आप सीमा पार कर रहे हैं, तो यह सही नहीं है। तब हमारी बहस का विषय गलत और अश्लील होगा। अगर कोई और ऐसा कर रहा है, तो हमें उनकी नकल करने की जरूरत नहीं है।**

एजेंसी

बिहार के दरभंगा में भारतीय जनता पार्टी की 'मतदाता अधिकार यात्रा' के एक वायरल वीडियो पर बढ़ते राजनीतिक हंगामे के बीच, ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी दिवंगत मां के लिए कथित तौर पर की गई अभद्र भाषा से खुद को अलग कर लिया। ओवैसी ने लोकतंत्र में आलोचना के महत्व पर जोर देते हुए, मयार्दा की सीमा लांघने के खिलाफ चेतावनी दी।असदुद्दीन ओवैसी ने कहा कि जितना चाहें विरोध करें, आलोचना करें, निंदा करें। लेकिन अगर आप शालीनता की सीमा लांघते हैं, तो यह गलत है। बहस अश्लील हो जाएगी। प्रधानमंत्री की आलोचना करें, लेकिन अभद्र भाषा का इस्तेमाल न करें। दरभंगा में इंडिया ब्लॉक के एक कार्यक्रम में प्रधानमंत्री मोदी और उनकी मां के खिलाफ कथित अपमानजनक टिप्पणी वाले एक वायरल वीडियो पर ओवैसी ने कहा कि शालीन शब्दों का इस्तेमाल किया जाना चाहिए। आप बोलें, विरोध करें और आलोचना करें, जितनी चाहें निंदा करें, लेकिन अगर आप शालीनता की सीमा पार करते हैं, तो यह गलत है और ऐसा नहीं किया जाना चाहिए। चाहे वह किसी के बारे में भी हो। ओवैसी ने कहा कि प्रधानमंत्री की आलोचना करें, लेकिन एक बात याद रखें कि अगर आप सीमा पार कर रहे हैं, तो यह सही नहीं है। तब हमारी बहस का विषय गलत और अश्लील होगा। अगर कोई और ऐसा कर रहा है, तो हमें उनकी नकल करने की जरूरत नहीं है। इस विवाद पर कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कांग्रेस पर ₹नफरत की राजनीति₹ करने का आरोप लगाया। गुवाहाटी में एक रैली को संबोधित करते हुए, शाह ने मांग की कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी प्रधानमंत्री मोदी और उनकी दिवंगत मां से माफी मांगें।शाह ने सोनिया गांधी, मणिशंकर अय्यर, जयराम रमेश और रेणुका चौधरी जैसे कांग्रेस नेताओं की पिछली टिप्पणियों का हवाला देते हुए आरोप लगाया कि यह अपमान का पहला मामला नहीं है। उन्होंने तर्क दिया कि जब से मोदी जी मुख्यमंत्री बने हैं, उनके लिए अपमानजनक नामों का इस्तेमाल किया जा रहा है - क्या आप इस तरह से जनादेश जीतेंगे? इस बीच, पटना में भाजपा कार्यकर्ताओं ने कथित अपमानजनक टिप्पणी के लिए कांग्रेस से माफी मांगने की मांग करते हुए विरोध मार्च निकाला।

# अगर थोड़ी भी शर्म बची है तो...

## अमित शाह का राहुल और कांग्रेस पर वार, बोले- जितनी गाली दोगे, उतना खिलेगा कमल

**शाह ने आगे कहा कि मैं राहुल गांधी से पूछता हूँ कि अगर थोड़ी भी शर्म बची है, तो प्रधानमंत्री मोदी और उनकी दिवंगत मां से माफी मांगें। शाह ने आगे कहा कि कई कांग्रेस नेताओं ने अतीत में प्रधानमंत्री के खिलाफ अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल किया है। उन्होंने कहा कि यह कोई नई बात नहीं है।**



एजेंसी

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को बिहार में 'मतदाता अधिकार यात्रा' के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी दिवंगत मां पर कथित रूप से की गई गालियों को लेकर कांग्रेस की आलोचना की। असम के गुवाहाटी में एक जनसभा को संबोधित करते हुए, शाह ने राहुल गांधी से प्रधानमंत्री मोदी से माफी मांगने को कहा। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी की 'घुसपैठिया बचाओ यात्रा' में उनकी नफरत की नकारात्मक राजनीति का निम्न स्तर देखने को मिला। कांग्रेस ने प्रधानमंत्री मोदी की दिवंगत मां के खिलाफ अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल करके सबसे निंदनीय कृत्य किया है। मैं इसकी निंदा करता हूँ। राहुल गांधी ने जो राजनीति शुरू की है, वह हमें गर्त में ले जाएगी। शाह ने आगे कहा कि मैं राहुल गांधी से पूछता हूँ कि अगर थोड़ी भी शर्म बची है, तो प्रधानमंत्री मोदी और उनकी दिवंगत मां से माफी मांगें। शाह ने आगे कहा कि कई कांग्रेस नेताओं ने अतीत में प्रधानमंत्री के खिलाफ अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल किया है। उन्होंने कहा कि यह कोई नई बात नहीं है। मोदी जी के मुख्यमंत्री बनने के बाद से सोनिया गांधी, राहुल गांधी, मणिशंकर अय्यर, जयराम रमेश और रेणुका चौधरी ने मोदी जी के खिलाफ अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल किया है। कुछ लोगों ने उन्हें 'मौत का सौदागर', 'जहरीला सांप', 'रावण' और 'वायरस' तक कहा। क्या आपको इसी तरह जनादेश मिलेगा?

बिहार में कांग्रेस की 'मतदाता अधिकार यात्रा' की आलोचना करते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि आप प्रधानमंत्री मोदी को जितनी गालियाँ देंगे, कमल उतना ही बड़ा होगा। आपने हर चुनाव में गालियाँ दीं और हारने के बाद आप 'घुसपैठिया बचाओ यात्रा' पर निकल रहे हैं। अगर घुसपैठिए चुनावों को प्रभावित करेंगे तो राज्य कैसे सुरक्षित रह सकता है? अमित शाह की यह टिप्पणी इंटरनेट पर एक कथित वीडियो के बाद आई है जिसमें आरोपी को इंडिया ब्लॉक के एक कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी करते हुए दिखाया गया है। दरभंगा पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर मामला दर्ज कर लिया है।

# सुप्रीम कोर्ट ने जम्मू-कश्मीर में 25 किताबों पर बैन को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई से इनकार किया

## हाईकोर्ट जाने की सलाह दी

**जम्मू-कश्मीर गृह विभाग द्वारा जारी अधिसूचना में कहा गया कि जांच और खुफिया सूचनाओं से पता चला है कि इस प्रकार के साहित्य का योजनाबद्ध प्रसार युवाओं के कट्टरपंथ में शामिल होने का एक प्रमुख कारण है.**



एजेंसी

नई दिल्लीः सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को उन 25 पुस्तकों पर जम्मू-कश्मीर सरकार द्वारा लगाए गए प्रतिबंध को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई से इनकार कर दिया, जिन्हें गलत नैरेटिव फैलाने और आतंकवाद का महिमामंडन करने₹ के आरोप में प्रतिबंधित किया गया है. कोर्ट ने याचिकाकर्ता को संबंधित उच्च न्यायालय का रुख करने की सलाह दीयह मामला आज न्यायमूर्ति सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची और न्यायमूर्ति विपुल एम. पांचोली की पीठ के समक्ष सुनवाई के लिए आया. यह याचिका कश्मीर के अधिवक्ता शाकिर शब्बीर द्वारा दायर की गई थी, जिनकी ओर से सुप्रीम कोर्ट में वरिष्ठ अधिवक्ता संजय हेगड़े ने पक्ष रखा. याचिका में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 98 को भी चुनौती दी गई है, जो राज्य सरकार को कुछ प्रकाशनों को जब्त करने और तलाशी वारंट जारी करने का अधिकार देती है.

# गांधी परिवार से कोई जेल नहीं गया, हमें फर्जी केस में भेजा गया

## केजरीवाल का कांग्रेस-भाजपा पर बड़ा वार

**केजरीवाल ने नई दिल्ली के कॉन्स्टिट्यूशनल क्लब में पार्टी विधायकों और पार्षदों को संबोधित करते हुए कहा कि लोग पूछते हैं कि भाजपा ने आप के पाँच शीर्ष नेताओं को जेल क्यों भेजा, लेकिन कांग्रेस के एक भी नेता को नहीं। वे नेशनल हेराल्ड मामले पर लगातार चिल्लाते रहते हैं, जिसके बारे में मैंने खुद ऑनलाइन पढ़ा है।**

एजेंसी

आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस के बीच मिलीभगत का आरोप लगाया है। उन्होंने स्पष्ट नेशनल हेराल्ड मामले में केंद्र सरकार की निष्क्रियता पर सवाल उठाया है, जबकि उनकी पार्टी के नेताओं को झूठे मामलों में जेल भेजा गया है। केजरीवाल ने नई दिल्ली के कॉन्स्टिट्यूशनल क्लब में पार्टी विधायकों और पार्षदों को संबोधित करते हुए कहा कि लोग पूछते हैं कि भाजपा ने आप के पाँच शीर्ष नेताओं को जेल क्यों भेजा, लेकिन कांग्रेस के एक भी नेता को नहीं। वे नेशनल हेराल्ड मामले पर लगातार चिल्लाते रहते हैं, जिसके बारे में मैंने खुद ऑनलाइन पढ़ा है। केजरीवाल ने दावा किया कि ऑनलाइन उपलब्ध तथ्यों के अनुसार, यह एक स्पष्ट मामला लगता है। फिर भी गंभीर आरोपों के बावजूद, गांधी परिवार का कोई भी व्यक्ति जेल नहीं गया है, जबकि हम पूरी तरह से मनगढ़ंत मामलों में जेल में हैं। मामले में निष्क्रियता का हवाला देते हुए, केजरीवाल ने अब दोनों राष्ट्रीय दलों के बीच सांठगांठ का आरोप लगाया है, जबकि आप नेताओं को परेशान किया जा रहा है। यह टिप्पणी आप नेता और दिल्ली के पूर्व मंत्री सौरभ भारद्वाज पर कथित अस्पताल निर्माण घोटाले से जुड़े एक मामले में प्रवर्तन निदेशालय द्वारा छापेमारी के कुछ ही दिनों बाद आई है। केजरीवाल ने कहा कि लोग मूर्ख नहीं हैं। आज व्यापक चर्चा है - कुछ लोग कहते हैं कि मायावती ने समझौता किया है, कुछ कहते हैं (असदुद्दीन) ओवैसी ने, लेकिन अब ज्यादातर लोग कहते हैं कि कांग्रेस ने समझौता किया है... हम राजनीति में देश प्रेम के लिए आए हैं, समझौता करने नहीं। हम देश के लिए लड़ते रहेंगे। आपको पार्टी, सत्ता, अपने या अपने परिवार के लिए कभी समझौता नहीं करना चाहिए। अगर मुझे समझौता करना पड़ा तो मैं अपने देश के लिए समझौता करूंगा।